▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 209 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 25-02-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'डिजिटल अरेस्ट' के झांसे में न आएं, समझें कि यह एक धोखा है : फडणवीस

6 पैस सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलधि

7 रूस की परंपराओं से रुबरू कराएंगी शक्ति मोहन

फर्स्ट टेक

भारत, इजराइल ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और इजराइल ने वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने और निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत का पहला दौर शुरू कर दिया है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। पिछले साल नवंबर में दोनों देशों ने समझौते के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने के लिए संदर्भ की शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए थे। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, ''भारत-इज़राइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत का पहला दौर 23 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में शुरू हुआ और यह 26 फरवरी तक जारी रहेगा।'' इस तरह के समझौतों में दोनों पक्ष आपस में व्यापार वाली अधिकतम वस्तुओं पर आयात शुल्क को काफी कम कर देते हैं या पूरी तरह समाप्त कर देते हैं। इसके अलावा सेवाओं और निवेश में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नियमों में ढील दी जाती है।

सूडानी अर्द्धसैनिक बलों ने दारफुर में किया हमला, 28 लोग मारे गए

काहिरा/एपी। सूडानी अर्धसैनिक बलों द्वारा दारफुर के एक आदिवासी नेता के गढ़ में किए गए हमले में कम से कम 28 लोग मारे गए। चिकित्सकों के एक संगठन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। देश में जारी संघर्ष पर नजर रख रहे 'सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क' के अनुसार, सोमवार को अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) ने उत्तरी दारफुर प्रांत के मिस्तरिहा शहर में जमकर उत्पात मचाया। यह शहर अरब कबीले के नेता मूसा हिलाल का गढ़ है, जो अर्धसैनिक आरएसएफ के अधिकांश सदस्यों की तरह ही रिजेइगात अरब कबीले से संबंध रखते हैं। चिकित्सकों के संगठन ने बताया कि हमले में 10 महिलाओं सहित कम से कम 39 लोग घायल हुए हैं।

सेना ने पोकरण में बड़ा युद्धाभ्यास किया

नयी दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना ने मंगलवार को राजस्थान के पोकरण रेगिस्तान में एक बड़ा अभ्यास किया, जिसमें मानवरहित हवाई वाहन, ड्रोन-रोधी प्रणाली, सटीक मारक क्षमता वाले रॉकेट, आधुनिक तोपखाने प्लेटफॉर्म और निगरानी उपकरण शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, सेना की दक्षिणी कमान के सैनिकों ने 'अग्नि वर्षा' अभ्यास का संचालन किया, जिसमें उन्होंने किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए अपनी अभियानगत तैयारी का प्रदर्शन किया। सेना ने कहा कि इस अभ्यास के माध्यम से वास्तविक अभियानगत

किफायती और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवा हर किसी का मिशन होना चाहिए : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राष्ट्रपति ने निजी अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों से स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी को भी ध्यान में रखने की अपील की।

मुंबई/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि 'सभी के लिए किफायती और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवा' हर किसी का मिशन होना चाहिए।

राष्ट्रपति मुंबई के लोक भवन (पूर्व में राज निवास) में पी डी हिंदुजा अस्पताल द्वारा आयोजित 'जीवन बचाओ और एक स्वस्थ भारत बनाओ' अभियान का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि भारत वैश्विक स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में प्रतिष्ठा हासिल करेगा।''

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने पिछले एक दशक में यह सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं कि प्रत्येक नागरिक स्वस्थ रहे और उसे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि देशभर में 1,80,000 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार के अलावा, सभी हितधारक एक स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने निजी अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों से स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी को भी ध्यान में रखने की अपील की। उन्होंने कहा, ''गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा हर नागरिक तक पहुंचनी चाहिए, और इस लक्ष्य की ओर हम सभी को मिलकर काम करना होगा। मुझे विश्वास है कि भारत वैश्विक स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त करेगा।'' मुर्मू मंगलवार दोपहर को महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर मुंबई पहुंचीं।

राष्ट्रपति का छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा अजित पवार और मुंबई की महापौर रितु तावडे ने स्वागत किया। राष्ट्रपति ने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तरह ही प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वास्थ्य सेवा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

बीकेआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) द्वारा समर्थित एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने का दावा किया। पुलिस के मुताबिक उसने जबरन वसूली से जुड़ी गोलीबारी की घटनाओं में कथित तौर पर संलिप्त दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से एक पिस्तौल, मैगजीन और आठ कारतूस जब्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान शहीद भगत सिंह (एसबीएस) नगर निवासी सुखविंदर सिंह उर्फ सनी और रावल के रूप में हुई है। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी विदेश में रह रहे अपने आका गोपी नवाशेहरिया, जस्सी कुलम और सुशांत चोपड़ा के निर्देशों पर काम कर रहे थे, जो बीकेआई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने कथित तौर पर गढ़शंकर इलाके में एक ट्रैवल एजेंट के आवास पर पैसे की उगाही के लिए दो बार गोलियां चलाई थीं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी

केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के राज्य सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। यह नए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) परिसर 'सेवा तीर्थ' में आयोजित मंत्रिमंडल की पहली बैठक थी। वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 नामक विधेयक को भारत के संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधान के तहत विचार व्यक्त करने के लिए केरल राज्य विधानसभा को भेजेंगी।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, केरल विधानसभा के विचार प्राप्त होने के बाद, भारत सरकार केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने हेतु केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को संसद में प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रपति की अनुशंसा प्राप्त करेगी।

केरल विधानसभा ने 24 जून, 2024 को केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने का प्रस्ताव पारित किया था।

प्रस्ताव में कहा गया था, ''हमारे राज्य का नाम मलयालम भाषा में 'केरलम' है। राज्यों का गठन भाषा के आधार पर 1 नवंबर, 1956 को हुआ था। केरल पिरवी दिवस भी 1 नवंबर को ही मनाया जाता है।''

हेलीकॉप्टर को आपात स्थिति में समुद्र में उतारा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चालक दल के दो सदस्यों सहित सभी सात लोगों को बचा लिया गया

श्री विजयपुरम/भाषा। उत्तरी और मध्य अंडमान जिले के रंगत से उड़ान भरने के बाद पवनहंस के एक हेलीकॉप्टर को मंगलवार सुबह आपात स्थिति में समुद्र में उतारना पड़ा और उसमें सवार चालक दल के दो सदस्यों सहित सभी सात लोगों को बचा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यात्रा कार्यक्रम के अनुसार हेलीकॉप्टर को अंडमान निकोबार द्वीप समूह में मायाबंदर हेलीपैड पर उतरना था, लेकिन उसे वहां से 300 मीटर की दूरी पर समुद्र में उतारना पड़ा।

अधिकारियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर के उत्तरी और मध्य अंडमान जिले के रंगत से उड़ान भरने के बाद, सुबह करीब साढ़े नौ बजे यह घटना हुई।

एक अधिकारी ने बताया कि बीच समुद्र से बचाए गए पांचों यात्रियों और चालक दल के दोनों सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नागर विमानन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हेलीकॉप्टर को सुबह करीब 9:30 बजे समुद्र में उतारना पड़ा। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कुछ तकनीकी खराबी थी, जिसके कारण पायलट ने आपात स्थिति में हेलीकॉप्टर को समुद्र में उतारा। उन्होंने बताया कि घटना की जांच शुरू केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम पवन हंस लिमिटेड ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''24 फरवरी 2026 को, पीएचएल डॉफिन एन3 हेलीकॉप्टर (वीटी पीएचवाई) ने श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) से सुबह लगभग 8.30 बजे रंगत और उसके आगे मायाबंदर के लिए उड़ान भरी थी।''

चेन्नई-बेंगलुरु एक्सप्रेसवे से यात्रा का समय घटकर दो घंटे रह जाएगा : गडकरी

नयी दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि इस साल के अंत तक नए एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद चेन्नई और बेंगलूरु के बीच यात्रा का समय घटकर मात्र दो घंटे रह जाएगा। बेंगलूरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे लगभग 260 किमी लंबा है और वर्तमान में इसका कुछ हिस्सा ही परिचालन में है। 'बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवार्ड्स' के तीसरे संस्करण को संबोधित करते हुए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि दिल्ली से देहरादून तक का एक्सप्रेसवे बनकर तैयार है और अब वहां दो घंटे के भीतर पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा, इस साल के अंत तक चेन्नई-बेंगलूरु एक्सप्रेसवे भी शुरू हो जाएगा, जिससे इन दोनों शहरों के बीच की दूरी दो घंटे में तय की जा सकेगी। गडकरी ने बताया कि सरकार दिल्ली और चेन्नई के बीच की दूरी को भी 320 किलोमीटर कम करने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता 'पर्यावरण के अनुकूल सड़कें बनाने की है।

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को

प्रधानमंत्री मोदी ने दबाव में आकर मंजूरी दी : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि एप्स्टीन फाइल्स जारी करने की धमकी और उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका में चल रहे आपराधिक मुकदमे के कारण दबाव में आकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को मंजूरी दी है।

राजधानी भोपाल में कांग्रेस की ओर से आयोजित 'किसान महाचौपाल' को संबोधित करते हुए पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को चुनौती दी कि अगर उनमें हिम्मत है तो वह इस करार को रद्द करके दिखाएं। उन्होंने कहा, ''नरेन्द्र मोदी 'कम्प्रोमाइज्ड (झुक गए)' हैं। उनको फंसा दिया गया है। नरेन्द्र मोदी ने दबाव में आकर यह करार किया है। यह डील (करार) नहीं है, यह किसान के दिल में तीर है।''

यह सवाल उठाते हुए कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता चार महीने से रुका हुआ था लेकिन ऐसा क्या हुआ जो प्रधानमंत्री मोदी अचानक इसके लिए तैयार हो गए, राहुल गांधी ने कहा, ''इसके दो कारण हैं। पहला कारण अमेरिका में पड़ी हुई लाखों एप्स्टीन फाइल हैं।.. उसमें ईमेल हैं, मैसेज हैं और वीडियो हैं।''

गांधी ने दावा किया कि केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम अमेरिका में जारी 'एप्स्टीन फाइल्स' में शामिल है और प्रधानमंत्री मोदी को धमकाने के लिए उनका नाम जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसा करके अमेरिका ने यह संदेश दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी बात नहीं मानी तो फाइलों में से सबूत निकलेगा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि व्यापार समझौते पर प्रधानमंत्री मोदी के सहमत होने का दूसरा कारण अमेरिका में अदाणी के खिलाफ चल रहा आपराधिक मुकदमा है। उन्होंने कहा, ''अमेरिका में जो यह मामला है, उसका लक्ष्य अदाणी नहीं है। उसका लक्ष्य नरेन्द्र मोदी हैं। वह तीर अदाणी की ओर नहीं मारा जा रहा है, वह तीर नरेन्द्र मोदी जी की ओर मारा जा रहा है।''

नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दी कि अगर उनमें दम है तो समझौते को रद्द करके दिखाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी छवि और अपने राजनीतिक भविष्य को बचाने के लिए हिंदुस्तान को अमेरिका के हाथों बेच दिया है। उन्होंने कहा, ''लेकिन.. अब नरेन्द्र मोदी बच नहीं सकते। उन्हें कोई शक्ति नहीं बचा सकती।''

वायु शक्ति

भारतीय वायु सेना ने मंगलवार को पश्चिमी राजस्थान के थार रेगिस्तान में स्थित पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में 'वायु शक्ति' का फुल ड्रेस अभ्यास किया। इसका मुख्य कार्यक्रम 27 फरवरी को आयोजित होगा। भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टरों ने इस अभ्यास में भाग लिया, जिसमें समन्वित हमलों और एकीकृत अभियानों का अभ्यास किया गया, ताकि वास्तविक युद्ध जैसी स्थिति का अनुभव कराया जा सके।

ब्रह्मांड के विशाल तारे डब्ल्यूओएच जी64 में विस्फोट होने की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

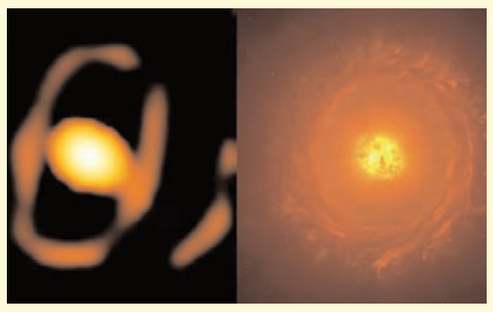

मेलबर्न/द कन्वरसेशन। ब्रह्मांड के सबसे बड़े ज्ञात तारों में से एक डब्ल्यूओएच जी64 में वर्ष 2014 में बड़ा परिवर्तन दर्ज किया गया और नए शोध के अनुसार इसमें विस्फोट होने की आशंका है।

एथेंस की राष्ट्रीय वेधशाला के गोंजालो मुन्योस-सांचेज के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में कहा गया है कि यह तारा अपनी लाल विशाल अवस्था से दुर्लभ पीली अतिविशाल अवस्था में प्रवेश कर चुका है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह बदलाव तारे के जीवन के अंतिम चरण का संकेत हो सकता है। अति-विशाल अवस्था में पहुंचने के बाद तारे का जीवन आमतौर पर महाविस्फोट के साथ समाप्त होता है। यह अध्ययन 'नेचर एस्ट्रोनॉमी' में प्रकाशित हुआ है।

डब्ल्यूओएच जी64 की खोज 1970 के दशक में ''लार्ज मैनेलैनिक क्लाउड'' में हुई थी, जो हमारी आकाशगंगा के निकट स्थित एक बौनी आकाशगंगा है। यह तारा अत्यंत चमकीला और असाधारण रूप से विशाल है, जिसका आकार सूर्य की त्रिज्या से लगभग 1,500 गुना अधिक आंका गया है।

वर्ष 2024 में अत्यंत विशाल दूरदर्शी 'इंटरफेरोमीटर' की मदद से इसकी विस्तृत तस्वीर ली गई, जिसमें इसके चारों ओर धूल का घना आवरण दिखाई दिया। इससे संकेत मिला कि यह तारा उम्र बढ़ने के साथ अपना द्रव्यमान तेजी से खो रहा है।

ब्रह्मांड के पैमाने पर यह तारा अपेक्षाकृत युवा है, जिसकी अनुमानित आयु 50 लाख वर्ष से कम है। इसके विपरीत हमारा सूर्य लगभग 4.6 अरब वर्ष पुराना है। वैज्ञानिकों के अनुसार डब्ल्यूओएच जी64 का जन्म गैस और धूल के विशाल बादल के संकुचन से हुआ था, जब तक कि दबाव के कारण यह प्रज्वलित नहीं हो गया। यह हमारे सूर्य की तरह, अपने केंद्र में हाइड्रोजन को परमाणु संलयन द्वारा जलाता होगा।

बाद में, यह विस्तारित हुआ और हीलियम जलाने लगा, और इसे एक बड़ा लाल तारा कहा जाता है।

गुपचुप तरीके से यूक्रेन को परमाणु हथियार देने की योजना बना रहे ब्रिटेन और फ्रांस : रूसी एजेंसी

मास्को/भाषा। रूस की खुफिया एजेंसी ने मंगलवार को दावा किया कि ब्रिटेन और फ्रांस गुप्त रूप से यूक्रेन को परमाणु हथियार देने की योजना बना रहे हैं। रूसी विदेश खुफिया सेवा (एसवीआर) ने मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह दावा किया कि पूर्व सोवियत गणराज्य यूक्रेन के खिलाफ मॉस्को का सैन्य अभियान पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

एजेंसी ने अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत दिए बिना कहा, ब्रिटेन और फ्रांस को यह एहसास है कि उनकी योजना अंतरराष्ट्रीय कानून, विशेष रूप से परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का घोर उल्लंघन है और इससे वैश्विक परमाणु अप्रसार प्रणाली के नष्ट होने का खतरा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिमी देश कीव को परमाणु हथियार देकर ऐसा दिखाने का प्रयास कर रहे हैं कि जैसे यूक्रेन ने ही इसे विकसित किया हो। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन के पास परमाणु हथियार नहीं होगा और यह संकट के समाधान की शर्तों में से एक है, क्योंकि मॉस्को बातचीत के जरिए लड़ाई को खत्म करने का प्रयास कर रहा है।

25-02-2026 सूर्यास्त 6:16 बजे | 26-02-2026 सूर्योदय 6:26 बजे

BSE	NSE
82,319.89	25,459.35
(-974.77)	(-253.65)

सोना	चांदी
16,658 रु.	277,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तटस्थ-साँच

जो ना तो हां ना करते ना,
हर मुद्दे पर रहते तटस्थ।
जिनके अपने मत नहीं सिद्ध,
वे हैं महंत सब सिद्धहस्त।
हो स्वयं भ्रमित फैलाते भ्रम,
रहते निजता में अस्तव्यस्त।
जो हवा देख करके चलते,
सचमुच हैं वे मौकापरस्त।।

भोजशाला विवाद : एएसआई की रिपोर्ट से हिंदू पक्ष उत्साहित, मुस्लिम समुदाय ने जताई आपत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। धार के विवादित भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण को लेकर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट के खुलासे के बाद इस ऐतिहासिक स्मारक के बहुचर्चित मसले ने नया मोड़ ले लिया है।

पक्षकारों के मुताबिक एएसआई की 2,000 से ज्यादा पन्नों की इस सर्वेक्षण रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि विवादित स्थल पर धार के परमार राजाओं के शासनकाल की एक विशाल संरचना पहले से विद्यमान थी और वहां वर्तमान में मौजूद संरचना प्राचीन मंदिरों के हिस्सों से बनाई गई थी। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने इस रिपोर्ट पर सोमवार को सभी पक्षकारों को दो हफ्तों के भीतर अपनी आपत्तियां, राय, सुझाव और सिफारिशें पेश करने को कहा और अगली सुनवाई के लिए 16 मार्च की तारीख तय की।

भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष संभवतः 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह परिसर एएसआई द्वारा संरक्षित है और इस निकाय ने उच्च न्यायालय के आदेश पर दो साल पहले विवादित परिसर का सर्वेक्षण करके अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपी थी। रिपोर्ट को लेकर अदालत के ताजा आदेश के बाद इस विवादित स्थल का मसला फिर सुर्खियों में आ गया है। पक्षकारों के मुताबिक

2,000 से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट में कहा गया,''प्राप्त स्थापत्य अवशेषों, मूर्तिकला के टुकड़ों, साहित्यिक ग्रंथों वाले शिलालेखों की बड़ी शिलाओं, स्तंभों पर नागकर्णिका शिलालेख आदि से संकेत मिलता है कि इस स्थल पर साहित्यिक और शैक्षिक गतिविधियों से संबंधित एक विशाल संरचना विद्यमान थी। वैज्ञानिक जांच के दौरान प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों के आधार पर पहले से मौजूद इस संरचना को परमार काल का माना जा सकता है।'' पक्षकारों के मुताबिक विस्तृत रिपोर्ट में यह भी कहा गया,''वैज्ञानिक जांच, सर्वेक्षण और पुरातात्विक उत्खनन, प्राप्त वस्तुओं के अध्ययन एवं विश्लेषण, स्थापत्य अवशेषों, मूर्तियों और शिलालेखों के अध्ययन, कला और मूर्तिकला के आधार पर कहा जा सकता है कि वर्तमान संरचना प्राचीन मंदिरों के भागों से बनाई गई थी।

याचिकाकर्ताओं में शामिल 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' के पक्षकार आशीष गोयल ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा,''उच्च न्यायालय में विचाराधीन हमारी याचिका की मुख्य गुहार है कि विवादित परिसर का धार्मिक स्वरूप तय किया जाए। एएसआई की रिपोर्ट से हमारी इस बात को बल मिलता है कि भोजशाला एक परमारकालीन स्मारक है और इसे नुकसान पहुंचाकर एक नया ढांचा खड़ा किया गया था।'' उन्होंने दावा किया कि एएसआई को वैज्ञानिक सर्वेक्षण में मिले सिक्के, मूर्तियां और शिलालेख दर्शाते हैं कि विवादित परिसर पर एक प्राचीन मंदिर था।

सेवा तीर्थ शक्ति के प्रदर्शन का नहीं, बल्कि सशक्तीकरण का केंद्र होगा : मंत्रिमंडल का प्रस्ताव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को नए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) परिसर में अपनी पहली बैठक में यह संकल्प लिया कि सेवा तीर्थ में लिया गया प्रत्येक निर्णय 'नागरिक देवो भव' की भावना से प्रेरित होगा और हर भारतवासी के सशक्तीकरण का केंद्र होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह संकल्प भी लिया गया कि सेवा तीर्थ से संचालित शासन का हर प्रयास देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन को सरल बनाने की भावना से जुड़ा रहेगा। 'सेवा संकल्प प्रस्ताव' के अनुसार, नए भवन में लिया गया प्रत्येक निर्णय 140 करोड़ देशवासियों के प्रति सेवा-भाव से प्रेरित होगा और राष्ट्र-निर्माण के व्यापक लक्ष्य से जुड़ा होगा। प्रस्ताव के अनुसार, ''केंद्रीय मंत्रिमंडल यह संकल्प दोहराता है कि इस परिसर में लिया गया प्रत्येक निर्णय 'नागरिक देवो भव' की भावना से प्रेरित होगा। यह स्थान शक्ति के प्रदर्शन का नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतवासी के सशक्तीकरण का केंद्र होगा।''

इसमें कहा गया है, ''हम यह दोहराते हैं कि अपनी दृष्टि के मुताबिक उस तरह के शासन को और मजबूती देंगे, जो पारदर्शी, उत्तरदायी और नागरिक की संवेदनाओं के प्रति सजग हो।''

प्रस्ताव के अनुसार, सेवा तीर्थ की कार्य-संस्कृति में यही भावना निहित होगी, जहां हर नीति संविधान की मूल भावना के अनुरूप होगी और हर निर्णय देशवासियों की आकांक्षाओं के प्रति उत्तरदायी होगा।

इसमें कहा गया है कि यह बैठक एवं यह भवन नए भारत के नवनिर्माण की एक स्पष्ट अभिव्यक्ति है। प्रस्ताव में कहा गया है, ''इस शुरुआत के साथ, हम उस भविष्य का स्वागत कर रहे हैं, जिसके निर्माण में सदियों का श्रम लगा है। आजादी के बाद, साउथ ब्लॉक स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में इतने दशकों तक सरकारों ने विरासत को संभाला और भविष्य के सपने देखे।''

इसमें कहा गया है, ''हमने एक ऐसे भारत के सपने देखे, जिसकी सोच स्वदेशी हो, स्वरूप आधुनिक हो, और सामर्थ्य अनंत हो। आज यह सेवातीर्थ उसी संकल्पना का वह मूर्त रूप है, जो लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत के गौरव को बढ़ाएगा।''

मंत्रिमंडल ने इस अवसर पर इस स्थान के इतिहास को भी स्मरण किया, जो ब्रिटिश शासन काल के अस्थायी बैरकों के स्थान पर बना है।

तेलंगाना: हैदराबाद के एक मंदिर में मूर्ति को नुकसान पहुंचाया गया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के हैदराबाद में मंगलवार को द्विमुखी हनुमान मंदिर में स्थापित एक मूर्ति को कथित तौर पर क्षतिग्रस्त पाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हनुमान मूर्ति पर से सिंदूर हटा हुआ पाया गया था। पुलिस के मुताबिक, इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने इस घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में देवी-देवताओं की मूर्तियों पर हो रहे ये हमले छिटपुट घटनाएं नहीं बल्कि सनातन धर्म के खिलाफ एक साजिश के तहत हो रहे हैं। राव ने एक बयान में बताया कि मंदिरों में तोड़फोड़ और हिंदू त्योहारों को निशाना बनाने की घटनाएं राज्य में कानून व्यवस्था के लिए खतरा उत्पन्न कर रही हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने में 'विफल' रहने और वोट बैंक की राजनीति में 'लिप्त' होने का आरोप लगाया।

राजकोट में अतिक्रमण रोधी कार्रवाई में 1,300 से अधिक मकान ध्वस्त किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट (गुजरात)/भाषा। गुजरात में राजकोट नगर निगम (आरएमसी) ने अजी नदी के किनारे बसी अवैध बस्तियों के विरुद्ध व्यापक अतिक्रमण रोधी अभियान के तहत 1,300 से अधिक घरों को ध्वस्त कर दिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

राजकोट नगर निगम ने सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच नदी के किनारे स्थित जांगलेश्वर के ढाई किलोमीटर क्षेत्र में 1,400 से अधिक अवैध बस्तियों को हटाने के लिए अभियान शुरू किया था।

नगर आयुक्त तुषार सुमेरा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मंगलवार दोपहर दो बजे तक आरएमसी ने अजी नदी के किनारे लगभग 1,350 घरों को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने बताया कि बहुमंजिला इमारतों और आलीशान बंगलों को गिराने में समय लग रहा है, क्योंकि इन्हें मिट्टी खुदाई करने वाली मशीन से ध्वस्त नहीं किया जा सकता।

उन्होंने आगे कहा कि 65 से अधिक मिट्टी खुदाई करने वाली मशीन के अलावा, आलीशान बंगलों को ध्वस्त करने के लिए अत्यधिक बड़े 'हाइड्रोलिक एक्सकेवेटर' तैनात किए गए हैं।

अतिक्रमण रोधी यह कार्रवाई कड़ी सुरक्षा के बीच की जा रही है, जिसमें स्थानीय पुलिस, निगरानी दल, ड्रोन निगरानी इकाइयां, विशेष अभियान समूह, त्वरित कार्रवाई दल (क्यूआरटी) और राज्य आरक्षित पुलिस बल के 2,500 से अधिक कर्मी तैनात किए गए हैं।

इस साल 9.1 प्रतिशत औसत वेतन वृद्धि का अनुमान: सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देश में इस साल विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारियों को औसतन 9.1 प्रतिशत वेतन वृद्धि मिलने की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष की 8.9 प्रतिशत वेतन वृद्धि से थोड़ा अधिक है। मंगलवार को एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया।

वैश्विक पेशेवर सेवा कंपनी एओएन ने अपने 'वार्षिक वेतन वृद्धि एवं कारोबार सर्वेक्षण 2025-26' का हवाला देते हुए कहा कि इस साल 9.1 प्रतिशत की अनुमानित वेतन वृद्धि वर्ष 2025 में दर्ज 8.9 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि से थोड़ी अधिक है। एओएन के सर्वेक्षण का 32वां संस्करण देश के 45 उद्योग क्षेत्रों में सक्रिय 1,400 से अधिक संगठनों के आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2026 में वेतन वृद्धि का अनुमान विभिन्न उद्योगों में अलग-अलग रहेगा। रियल एस्टेट एवं अवसंरचना क्षेत्रों के कर्मचारियों को सर्वाधिक 10.2 प्रतिशत की वेतन वृद्धि मिलने की उम्मीद है। इसके बाद गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में कार्यरत कर्मचारियों का वेतन औसतन 10.1 प्रतिशत बढ़ सकता है। मोटर वाहन एवं वाहन विनिर्माण क्षेत्रों के कर्मचारियों को 9.9 प्रतिशत की वृद्धि मिलने की संभावना है। वहीं, इंजीनियरिंग डिजाइन सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों को भी 9.9 प्रतिशत की वृद्धि मिल सकती है। सर्वेक्षण में पाया गया कि इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण क्षेत्र के कर्मचारियों और खुदरा क्षेत्र के कर्मचारियों को औसतन 9.5-9.5 प्रतिशत की वेतन वृद्धि मिलने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये रुझान दर्शाते हैं कि भारत में नियोक्ता बदलते बाजार परिवेश में विशेष कौशल वाली प्रतिभाओं के लिए कायम प्रतिस्पर्धा के बीच प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं ग्राहक-सामना क्षमताओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एओएन इंडिया में साझेदार (प्रतिभा समाधान) रूपांक चौधरी ने कहा, ''भारत अपनी वृद्धि यात्रा के अगले चरण में एक मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद के साथ कदम रख रहा है। कंपनियों के भू-राजनीतिक अनिश्चितता से जूझने के बावजूद सुदृढ़ घरेलू मांग, मुद्रास्फीति में नरमी और नए व्यापार समझौते मध्यम अवधि के लिए एक सकारात्मक दृष्टिकोण में योगदान दे रहे हैं।''

मुंबई में 1000 से अधिक निर्माण स्थलों को काम रोको नोटिस जारी : पंकजा मुंडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने यहां वायु प्रदूषण के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज करते हुए पर्यावरण मानदंडों का उल्लंघन करने को लेकर 1,000 से अधिक निर्माण स्थलों को काम रोकने के नोटिस जारी किए हैं। राज्य की मंत्री पंकजा मुंडे ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रदेश की पर्यावरण मंत्री ने विधानसभा में कहा कि शहर में क्रियाशील 2,224 निर्माण स्थलों में से 1,952 स्थलों पर - लगभग 88 प्रतिशत - जनवरी तक कम लागत वाले वायु गुणवत्ता सेंसर स्थापित किए जा चुके हैं।

उन्होंने वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) स्तर पर एक लिखित जवाब में कहा कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा 'स्वच्छ वायु' पहल के तहत अक्टूबर 2025 और जनवरी 2026 के बीच पूरे शहर में कुल 1,981 कारण बताओ नोटिस एवं काम रोकने के 1,047 नोटिस जारी किए गए। उन्होंने कहा,हम उल्लंघनकर्ताओं पर सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। धूल नियंत्रण दिशानिर्देशों का पालन न करने वाली निर्माण परियोजनाओं को पहले औपचारिक सूचना दी जाती है, उसके बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है। और यदि वे अनुपालन नहीं करते हैं तो काम रोकने का आदेश दिया जाता है। मंत्री ने कहा कि मुंबई में एक्यूआई स्तर संतोषजनक (51-100) और मध्यम (101-200) है।

समुद्री केबल प्रणाली का मजबूत होना एआई, डिजिटल परिदृश्य के लिए महत्वपूर्ण: ट्राई चेयरमैन

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि समुद्री केबल प्रणाली प्राकृतिक आपदाओं, भू-राजनीतिक तनाव और बढ़ती डेटा मांग जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है जिनसे निपटने के लिए तकनीकी नवाचार, परिचालन मजबूती और नीतिगत समाधान के समन्वित दृष्टिकोण की जरूरत है।

लाहोटी ने यहां ब्रॉडकास्ट इंडिया फोरम की तरफ से आयोजित सम्मेलन में कहा कि समुद्र-तल में बिछाई जाने वाली केबल प्रणाली आज के एआई युग में डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने सुझाव दिया बेहतर मार्ग नियोजन, कम जोखिम वाले क्षेत्रों में केबल बिछाना, वास्तविक समय में निगरानी की व्यवस्था और वैकल्पिक मार्ग विकसित करने से भौतिक क्षति और सेवा बाधित होने का असर कम किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग और मजबूत नियामकीय ढांचा सुरक्षा व विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए आवश्यक है। भू-राजनीतिक तनाव और बढ़ती डेटा खपत के कारण क्षमता में सुधार ऑपरेटरों के लिए निरंतर चिंता का विषय बना हुआ है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक धोखाधड़ी मामले की सारी रकम वसूली गई : मुख्यमंत्री सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा को सूचित किया कि उनकी सरकार ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक धोखाधड़ी मामले में बकाया लगभग 556 करोड़ रुपए वसूल लिए हैं।

सैनी ने कहा, लगभग 22 करोड़ रुपए ब्याज सहित करीब 556 करोड़ रुपए 24 घंटे के भीतर वापस हासिल कर लिए गए। आईडीएफसी बैंक ने रविवार को खुलासा किया था कि उसके कर्मचारियों और अन्य लोगों ने हरियाणा सरकार के बैंक खातों में जमा 590 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। सैनी ने कहा, मैं सदन के समक्ष यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार के विभागों से संबंधित धनराशि पूरी तरह से हमारे खातों में वापस जमा करा दी गई है... वसूली 24 घंटे के भीतर कर ली गई है। उन्होंने कहा कि बैंक ने सरकार को सूचित किया था कि इस घटना में मुख्य रूप से बैंक की चंडीगढ़ स्थित एक विशेष शाखा शामिल थी और पूरी धोखाधड़ी में मध्यम एवं निचले स्तर के चार से पांच बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि मामले में शामिल किसी भी व्यक्ति-चाहे वह बैंक कर्मचारी हो, निजी व्यक्ति हो या सरकारी कर्मचारी हो-को बख्शा नहीं जाए। सोमवार को सैनी ने कहा था कि राज्य का भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो इस धोखाधड़ी की गहन जांच करेगा। उन्होंने कहा था, हमने इस पूरे मामले की जांच के लिए वित्त सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। सैनी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के शासनकाल में घोटालों को दबा दिया जाता था और किसी को भी जवाबदेह नहीं ठहराया जाता था, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार भ्रष्टाचार के प्रति कतई बर्दाश्त न करने की नीति अपना रही है। हरियाणा विधानसभा में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक धोखाधड़ी का मुद्दा विपक्षी दल कांग्रेस ने उठाया था।

मंत्रिमंडल ने रेलवे की 9,072 करोड़ रुपए लागत वाली तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने रेल मंत्रालय की लगभग 9,072 करोड़ रुपए लागत वाली तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन 3 परियोजनाओं में गोंदिया-जबलपुर खंड का दोहरीकरण और पुनारख-किऊल तथा गम्हरिया-चांडिल खंड के बीच तीसरी और चौथी लाइन बिछाना शामिल है। सरकार ने कहा कि महाराष्ट्र, मप्र, बिहार व झारखंड के 8 जिलों को कवर करने वाली इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 307 किलोमीटर की वृद्धि होगी। आधिकारिक बयान में कहा गया है, प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 5,407 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिनकी आबादी 98 लाख है। इसमें कहा, बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से परिचालन को सुव्यवस्थित और भीड़भाड़ को कम करने में मदद मिलेगी। प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क में सुधार होगा, जिनमें कचनार शिव मंदिर (जबलपुर), कान्हा राष्ट्रीय उद्यान (बालाघाट), गांगुलपारा बांध और जलप्रपात, पेंच राष्ट्रीय उद्यान, धुआंधार जलप्रपात, बरगी बांध, गोमजी-सोमजी मंदिर, चांडिल बांध, दलमा हिल टॉप, हेसाकोचा जलप्रपात, रायजामा घाटी, दलमा वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर अमेरिका के दबाव में झुकने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका द्वारा शुल्क लगाने की धमकी के सामने मजबूती से खड़े नहीं हो पाए।

यहां किसानों की 'महाचौपाल' रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने प्रधानमंत्री पर देश को ''बेच देने'' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश को गिरवी रखने वाला कोई भी व्यापार समझौता कांग्रेस को स्वीकार नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का जिक्र करते हुए कहा, ''समान स्तर के देशों के बीच ही सौदा होता है। मोदी को झुकने पर मजबूर किया गया टैरिफ (शुल्क) की धमकी दी गई।'' उन्होंने भारत की तुलना ब्राजील से करते हुए दावा किया कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने अपनी भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को अमेरिका

के दबाव में नहीं झुकने और किसानों के हित में मजबूती से खड़े रहने की सलाह दी थी, जैसा कि वह (सिल्वा) स्वयं कर रहे हैं।

खरगे ने आरोप लगाया, लेकिन मोदी जी में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ बोलने की ताकत नहीं है। उन्होंने (सिल्वा) दूसरे देशों से एकजुट होकर ट्रंप का विरोध करने को कहा था, लेकिन मोदी ऐसा नहीं कर रहे हैं।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 14वीं सदी के ''सनकी शासक'' मोहम्मद बिन तुगलक की तरह व्यवहार कर रहे हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी का रवैया ''हिटलर'' जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के राष्ट्रपति के दबाव में भारत को गुलामी की ओर धकेला जा रहा है।

खरगे ने यह आरोप भी दोहराया कि पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' को अमेरिका के दबाव में रोका गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को डराया-धमकाया जा रहा है और युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को परेशान किया जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमने अंग्रेजों को देश से भगाया था। हम देशभक्त हैं और हमने माफी नामे नहीं लिखे। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने अमेरिका के दबाव में रूस और ईरान से सस्ता कच्चा तेल खरीदना बंद कर दिया है।

तिरुपति लड्डू के लिए मिलावटी घी का इस्तेमाल कर 'संगठित गिरोहों ने धर्म का अपमान किया : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार के दौरान, तिरुपति मंदिर के लिए 20 करोड़ से अधिक पवित्र लड्डू बनाने में लगभग 60 लाख किलोग्राम 'मिलावटी घी' का इस्तेमाल किया गया था, तथा जिसमें 'संगठित गिरोह' संलिप्त थे।

नायडू ने कहा कि ऐसे गिरोहों ने प्रसादम की पवित्रता से समझौता करके इसका अपमान किया है, जिससे श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। तिरुपति में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के पवित्र लड्डू प्रसाद को कथित तौर पर अपवित्र किए जाने पर विधानसभा में हुई संक्षिप्त चर्चा में भाग लेते हुए नायडू ने कहा कि मिलावटी घी की आपूर्ति के मामले में साजिश का पहलू भी है। नायडू ने कहा, ''मिलावटी घी की आपूर्ति के मामले में साजिश का

पहलू था। वे (अपराधी) एक गिरोह की तरह काम कर रहे थे। ये सभी बातें फोरेंसिक साक्ष्यों में सिद्ध हो चुकी हैं।''

मुख्यमंत्री ने सदन में कहा, ''तिरुपति तिरुमला देवस्थानम (टीटीडी) को आपूर्ति किए गए 59.71 लाख किलोग्राम घी में मिलावट पाई गई। 2019 से 2024 के बीच, मिलावटी घी का उपयोग करके 20 करोड़ से अधिक लड्डू बनाए गए।'' उन्होंने बताया कि विश्व प्रसिद्ध मंदिर का प्रबंधन देख रहे टीटीडी ने मिलावटी घी की खरीद पर लगभग 234.51 करोड़ रुपए खर्च किए।

नायडू ने आरोप लगाया, ''उन्होंने (पूर्ववर्ती सरकार ने) संगठित अपराध के तहत लड्डू (पवित्र प्रसाद) में मिलावट करके उसे अपवित्र किया।'' उन्होंने दावा किया कि वाईएसआर कांग्रेस के अध्यक्ष वाई एस जगन मोहन रेड्डी के शासनकाल 2019 से 2024 के बीच मंदिरों पर कई हमले हुए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मिलावटी घी के बारे में टिप्पणी पहले की गई राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की रिपोर्ट के आधार पर की थी।

मुख्यमंत्री के मुताबिक जनवरी-फरवरी 2020 के दौरान घी आपूर्ति निविदा की शर्तों में 'साजिश' के तहत बदलाव किया गया, जिसके परिणामस्वरूप मानकों में ढील दी गई।

नायडू के मुताबिक मई 2022 में एक शिकायत मिलने पर भोले बाबा डेयरी के खिलाफ जांच का आदेश दिया गया था, लेकिन तत्कालीन सरकार ने जांच के नतीजों दबा दिया गया था, जबकि अगस्त 2022 की सीएफटीआरआई (केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान) की रिपोर्ट में कहा गया था कि घी में बीटा-सिटोस्टेरॉल की मिलावट थी। उन्होंने दावा किया कि टीटीडी के पूर्व अध्यक्ष वाई वी सुब्बा रेड्डी के निजी सहायक चिन्ना अप्पन्ना ने 4.5 करोड़ रुपए की रिश्वत ली थी। मुख्यमंत्री के मुताबिक, ''फर्जी प्रमाण पत्र जमा करके निविदाएं प्राप्त की गईं और मिलावटी घी की आपूर्ति की गई। यह पाया गया कि मिलावटी घी के निर्माण में विभिन्न रसायनों का इस्तेमाल किया गया था।'' उन्होंने कहा कि टीटीडी के तकनीकी विशेषज्ञों को ''महंगे फोन का प्रलोभन देकर'' मिलावटी घी की आपूर्ति के लिए मजबूर किया गया। नायडू ने कहा कि मिलावटी घी की आपूर्ति के अलावा गैर-हिंदू धर्म का प्रचार करना पिछली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार की एक रणनीतिक भूल थी। उन्होंने दावा किया कि 2019 और 2024 के बीच हिंदू धर्म पर व्यवस्थित रूप से 'हमले' किए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि 2,032 मंदिरों पर हमला किया गया और मूर्तियों को खंडित किया गया।

जयललिता की 78वीं जयंती पर प्रधानमंत्री और अन्य नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री दिवगंत जे जयललिता की 78वीं जयंती पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने जयललिता को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने एक प्रभावशाली नेता और उत्कृष्ट प्रशासक के रूप में असंख्य लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई।

मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, उनका जीवन अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प से परिपूर्ण था। तमिलनाडु की मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने महिला सशक्तीकरण, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास पर विशेष ध्यान देते हुए कल्याणकारी शासन का नेतृत्व किया। वह करुणामयी और निर्णायक दोनों थीं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पर कहा कि गरीबों के कल्याण और महिला सशक्तीकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के माध्यम से उन्होंने तमिलनाडु के विकास को नया रूप दिया और यह सुनिश्चित किया कि शासन पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

शाह ने कहा, ''जनसेवा के प्रति उनका समर्पण सदा प्रेरणादायक रहेगा।''

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई. के पलानीस्वामी ने कहा कि जयललिता अन्नाद्रमुक की पहचान और गरीबों की ''आशा'' हैं। उन्होंने कहा, क्रांतिकारी नेता अम्मा (जयललिता) की हर योजना और हर निर्णय ने गरीबी उन्मूलन के लिए वैश्विक मानक स्थापित किए और गरीब व साधारण लोगों के जीवन को रोशन किया। वह कठिन समय में भी अटूट मानसिक शक्ति के साथ तमिलनाडु के लिए संघर्ष करती रहीं।

पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन और कई अन्य नेताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी।

अन्नाद्रमुक ने तीसरे चरण के चुनावी वादों की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। ऑल इंडिया अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने मंगलवार को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के चुनावी वादों के तीसरे चरण की घोषणा की।

पलानीस्वामी ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासनकाल में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण परिवारों को हो रही कठिनाइयों को कम करने के लिए अन्नाद्रमुक प्रत्येक परिवार को 10,000 रुपए की एकमुश्त अनुग्रह राशि प्रदान करेगी। उन्होंने दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता की जयंती के अवसर पर कई घोषणाएं करते हुए कहा कि अन्नाद्रमुक के सत्ता में आने पर रोजगार कार्यालय में पंजीकृत व नौकरी की प्रतीक्षा कर रहे डिग्री धारकों को 2,000 रुपए प्रति माह और रोजगार कार्यालय में पंजीकृत 12वीं तक की पढ़ाई करने वालों को 1,000 रुपए प्रति माह का वजीफा दिया जाएगा। उन्होंने प्रतिबंध अवधि के दौरान मछुआरों को दी जाने वाली राहत को मौजूदा 8,000 रुपए से बढ़ाकर 12,000 रुपए करने, राशन कार्डधारकों को त्योहार उपहार के रूप में 1,000 रुपए का पोंगल प्रोत्साहन देने, हथकरघा बुनकरों को 450 यूनिट तक व पावरलूम बुनकरों को 1,400 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने और शहर में फुटपाथ पर दुकानें चलाने वाले छोटे व्यापारियों के सहकारी बैंक ऋण माफ करने की घोषणा की। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां अन्नाद्रमुक मुख्यालय में पत्रकारों से कहा कि द्रमुक शासन के पिछले पांच वर्षों से आवश्यक वस्तुओं, संपत्ति कर, मकान कर, बिजली शुल्क, पेयजल कर और कई अन्य करों की बढ़ती कीमतों के कारण लोग कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, जिससे परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि हथकरघा बुनकरों व पावरलूम बुनकरों को दी जाने वाली मुफ्त बिजली क्रमशः 300 यूनिट से बढ़ाकर 450 यूनिट और 1,000 यूनिट से बढ़ाकर 1,400 यूनिट की जाएगी।

पलानीस्वामी ने कहा, अन्नाद्रमुक के सत्ता में आने के बाद राज्य के राजस्व में वृद्धि कर इन सभी योजनाओं को लागू किया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि उनके नेतृत्व में अन्नाद्रमुक सरकार ने महामारी के दौरान जनता को किसी भी प्रकार की कठिनाई पहुंचाए बिना सुशासन प्रदान किया था।

इससे पहले, पलानीस्वामी ने 10 आश्वासनों की घोषणा की थी, जिनमें परिवार की महिला मुखियाओं के लिए मासिक सहायता को बढ़ाकर 2,000 रुपए करना शामिल है।

सभी अंगदाताओं को संदेह की नजर से न देखें : मद्रास उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय ने यहां चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय को निर्देश दिया है कि वह सभी अंगदाताओं को संदेह की दृष्टि से न देखे और गुर्दा रोग से पीड़ित एक मरीज के लिए प्रतिरोपण की अनुमति प्रदान करे।

न्यायमूर्ति पी. टी. आशा ने कहा कि गैर-रिश्तेदारों के बीच अंगदान का मूल्यांकन गणितीय कसौटियों पर करना या उसे संदेह की दृष्टि से देखना अव्यावहारिक होगा। उच्च न्यायालय एक मरीज और उसके संभावित दाता द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। याचिकाकर्ताओं ने चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय की प्राधिकरण समिति को अंग प्रतिरोपण की अनुमति देने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

अदालत ने कहा कि अंगदाता मरीज के मौसा के भाई हैं और उन्होंने स्वेच्छा से अपना अंग दान करने की पेशकश की।

अपने हालिया आदेश में उच्च न्यायालय ने कहा, यह नहीं भूलना चाहिए कि कुछ करुणामय व्यक्ति परिवार के सदस्य या मित्र को नया जीवन देने के लिए निस्वार्थ भाव से अपने अंग दान करने को तैयार होते हैं। ऐसे में गैर-रिश्तेदारों के बीच हर अंगदान को संदेह की दृष्टि से देखना या उसे गणितीय मानकों पर परखना उपयुक्त नहीं है।

पीठ ने कहा कि जीवन बचाना सर्वोपरि है।

न्यायमूर्ति आशा ने कहा कि प्राधिकरण समिति द्वारा अनुमति से इनकार करना मनमाना और आधारहीन था। उन्होंने समिति को आदेश दिया कि वह आदेश की प्रति प्राप्त होने की तिथि से तीन सप्ताह के भीतर, कानून के अनुसार प्रतिरोपण की अनुमति प्रदान करे।

तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन को 558 मेगावाट बिजली आपूर्ति करेगी मोक्सी पावर जनरेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी पावर की बिजली इकाई मोक्सी पावर जेनरेशन को तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन से पांच वर्ष के लिए 558 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका मिला है।

कंपनी के मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, मोक्सी पावर तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 1,200 मेगावाट (2द 600 मेगावाट) का बिजली संयंत्र संचालित करती है। वहीं अदाणी पावर 18.15 गीगावाट उत्पादन क्षमता के साथ भारत की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादक है।

बयान के अनुसार, अदाणी पावर की अनुषंगी कंपनी मोक्सी पावर जेनरेशन लिमिटेड (एमपीजीएल) को तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड(टीएनपीडीसीएल) से पांच वर्ष के लिए 558 मेगावाट (शुद्ध) बिजली आपूर्ति का ठेका मिला है। एमपीजीएल ने 5.910 रुपए प्रति यूनिट का शुल्क प्रस्तावित करते हुए कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली बोली में सबसे कम बोलीदाता के रूप में उभरकर यह ठेका हासिल किया। आपूर्ति एक अप्रैल 2026 से शुरू होगी। अब संयंत्र की दोनों इकाइयों के पास बिजली आपूर्ति समझौते हैं और अदाणी पावर की कुल परिचालन क्षमता का 95 प्रतिशत से अधिक हिस्सा मध्यम से दीर्घकालिक अनुबंधों के तहत सुरक्षित है। यह कंपनी को दीर्घकालिक राजस्व की स्पष्टता प्रदान करता है और अल्पकालिक बाजार अस्थिरता से जोखिम भी कम करता है। कंपनी का लक्ष्य आने वाले वर्ष में अपने सभी परिचालित और जल्द चालू होने वाले संयंत्रों के लिए करीब 100 प्रतिशत बिजली खरीद समझौता (पीपीए) हासिल करना है।

इस बिजली आपूर्ति समझौते से तमिलनाडु के उपभोक्ताओं को अतिरिक्त 558 मेगावाट विश्वसनीय एवं उच्च गुणवत्ता वाली बिजली उपलब्ध होने की उम्मीद है। इससे ग्रिड स्थिरता मजबूत होगी और घरों, व्यवसायों एवं उद्योगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति में सहायता मिलेगी।

प्रतिस्पर्धी शुल्क पर बिजली सुनिश्चित होने से उपभोक्ताओं को आने वाले वर्ष में अधिक किफायती और भरोसेमंद ऊर्जा का लाभ मिलने की संभावना है।

अदाणी पावर भारत की सबसे बड़ी निजी ताप विद्युत उत्पादक कंपनी है।

मैं अपना कद जानता हूं : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने राज्य की राजनीति में अपनी भूमिका के महत्व पर बात करते हुए कहा कि उन्हें अपना ''कद'' पता है। 'सीएनएन न्यूज 18' के टाउन हॉल कार्यक्रम में यह सवाल पूछे जाने पर कि क्या अवसर मिलने पर वह 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करने जैसी राष्ट्रीय भूमिका निभाएंगे, इस पर स्टालिन ने कहा, ''जैसा कि कलैग्नार (उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम. करुणानिधि) कहते थे, 'मैं अपना कद जानता हूं।' मैं उसी दायरे में रहूंगा।''

करुणानिधि ने 1997 में प्रधानमंत्री बनने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था और कहा था, ''मैं अपना कद जानता हूं।'' तब उन्होंने संकेत दिया था कि वह अपने कद के अनुरूप राज्य की राजनीति पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इससे पहले, 23 फरवरी को 'टाउन हॉल' कार्यक्रम में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा था कि स्टालिन विपक्षी दलों का नेतृत्व कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''जहां भाजपा निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है, वहीं हमारे द्रविड़ मॉडल ने तमिलनाडु में समावेशी विकास और रिकॉर्ड प्रगति हासिल की है।'' उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनाव में सामाजिक न्याय, राज्य की स्वायत्तता, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खड़े एक प्रदेश और धमकी, छापेमारी के माध्यम से दलबदल के लिए मजबूर करने और संस्थानों के दुरुपयोग पर आश्रित रहने वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला होगा। स्टालिन ने कहा, ''तमिलनाडु ने पहले भी ऐसी ताकतों को हराया है, और वह फिर से ऐसा करेगा।''

अगर मेरी गलती साबित हो गई, तो मैं राजनीति छोड़ने को तैयार हूं : ओ. पन्नीरसेल्वम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

थेनी/भाषा। ऑल इंडिया अन्नाद्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित नेता ओ. पन्नीरसेल्वम ने पार्टी के कल्याण के लिए 46 वर्षों से अधिक समय तक काम करने और सभी अपमानों को धैर्यपूर्वक सहने का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि अगर उनकी गलतियां साबित हुईं, तो वह राजनीति छोड़ देंगे। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी का नाम लिए बिना पूर्व मुख्यमंत्री ने महासचिव के चयन के लिए पार्टी के नियमों में हाल ही में किए गए संशोधनों की आलोचना की, जिन्हें पार्टी के संस्थापक एमजी रामचंद्रन ने बनाया था। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, जब क्रांतिकारी नेता (एमजी रामचंद्रन) ने इस पार्टी की स्थापना की, तो उन्होंने इन नियमों को लिखित रूप में संहिताबद्ध किया। आप इसे बदलने वाले कौन होते हैं? मैंने यह सवाल उठाया है और मामला अब अदालत में है।

पन्नीरसेल्वम ने याद दिलाया कि अन्नाद्रमुक नेतृत्व ने उन्हें पार्टी के झंडे का इस्तेमाल न करने और पार्टी की धोती नहीं पहनने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा, मैं विधायक रहा हूं। मैं मुख्यमंत्री रहा हूं। मैं पार्टी का समन्वयक भी रहा हूं। मैंने क्या गलती की? क्या मैंने कभी किसी कार्यकर्ता पर हाथ उठाया है? अगर आप मुझे बस इतना बता दें कि मैंने क्या गलती की है, तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर रविंद्रन एआई पर संरा के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के प्रोफेसर बी रविंद्रन को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर संयुक्त राष्ट्र (संरा) के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल में नियुक्त किया गया है। आईआईटी मद्रास ने मंगलवार को यह जानकारी दी है।

रविंद्रन मौजूदा समय में वाधवानी स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड एआई के प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। वह आईआईटी मद्रास में सेंटर फॉर रिस्पॉन्सिबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (सीईआरएआई) के संस्थापक प्रमुख भी हैं। अगस्त 2025 में पारित संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव के तहत स्थापित स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल एआई पर एक वैश्विक वैज्ञानिक निकाय के रूप में काम करता है, जो विविध क्षेत्रों और विषयों के अग्रणी विशेषज्ञों को एक साथ लाकर यह आकलन करता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनियाभर में जीवन और समाजों को कैसे बदल रही है।

आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामकोटि ने रविंद्रन की नियुक्ति पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह पैनल कृत्रिम बुद्धिमत्ता से हमारी दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव हासिल करने की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है।

विधानसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु के लिए सीएपीएफ की 50 कंपनियां आवंटित कीं गृह मंत्रालय ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले सुरक्षा के एहतियाती उपाय के तौर पर तमिलनाडु को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की शुरुआती 50 कंपनियां आवंटित की हैं। राज्य की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनायक ने बताया कि सीएपीएफ की 50 कंपनियों का शुरुआती जत्था 10 मार्च, 2026 को तैनात किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा मंगलवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, तमिलनाडु विधानसभा के चुनावों के संबंध में क्षेत्रीय प्रभुत्व और मतदाताओं का विश्वास बनाए रखने के उपायों के तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय ने प्रारंभ में सीएपीएफ की 50 कंपनियों को तमिलनाडु में तैनात करने का निर्णय लिया है। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों और पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के लिए अप्रैल 2026 में चुनाव होने की संभावना है।

केरल में फोन पर पत्नी को 'तीन तलाक' देने वाले व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के अलप्पुझा निवासी 32 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ फोन पर पत्नी को तीन तलाक देने और उसके साथ क्रूरता करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह मामला सोमवार को मुवत्तुपुझा पुलिस थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85 के तहत दर्ज किया गया, जो पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा महिला के साथ क्रूरता करने से संबंधित है।

पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी में मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 की धारा 3 और 4 भी जोड़ी गई है, जो तीन तलाक (तलाक-ए-बिद्दत)को अमान्य और अवैध बनाता है और दंड का प्रावधान करता है।

आरोपी की पहचान सुहैल के रूप में हुई है, जो अलाप्पुझा जिले के कार्तिकप्पल्ली तालुक का निवासी है।

पुलिस ने बताया कि दंपति ने 18 सितंबर, 2016 को मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार शादी की थी और पति-पत्नी के रूप में साथ रह रहे थे।

शिकायत के मुताबिक, शादी के बाद सुहैल ने कथित तौर पर और दहेज की मांग की और समस्याएं पैदा करना शुरू कर दिया, जिससे महिला को मुवत्तुपुझा क्षेत्र में अलग रहने के लिए मजबूर होना पड़ा।

खबरों के मुताबिक, इस दौरान वह हॉस्टल और किराए के मकानों में रह रही थी।

पुलिस ने बताया कि 21 मई, 2025 को रात करीब नौ बजे, आरोपी ने कथित तौर पर महिला को फोन कर गाली-गलौज की तथा उसे और उसके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी।

शिकायत के मुताबिक, इसके बाद उसने कथित तौर पर एक दूसरे फोन नंबर से एसएमएस भेजकर दावा किया कि उसने तीन तलाक बोलकर उसे तलाक दे दिया है।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसे पति ने लगातार शारीरिक और मानसिक क्रूरता का शिकार बनाया। पुलिस ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

केरल : पलक्कड़ आईआईटी परिसर में छात्रा पर हमला, घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलक्कड़ (केरल)/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पलक्कड़ के परिसर में एक अज्ञात व्यक्ति के कथित हमले में अंतिम वर्ष की एक छात्रा घायल हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के सलेम की रहने वाली छात्रा का कोयंबटूर के एक अस्पताल में उपचार चल रहा है। छात्रा के साथ यह घटना सोमवार रात को घटी।

कसबा पुलिस के अनुसार, छात्रा परिसर में पैदल जा रही थी, तभी पीछे से उस पर हमला किया गया, जिससे उसके माथे पर चोट आई।

पुलिस ने बताया कि घायल अवस्था में पड़ी छात्रा को सहपाठियों और संस्थान प्रशासन ने तत्काल जिले के एक सरकारी अस्पताल पहुंचाया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे कोयंबटूर के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

हमलावर की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। हालांकि पुलिस ने हमले में बाहरी व्यक्ति के शामिल होने की संभावना से इनकार किया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना के संबंध में सोमवार को ही मामला दर्ज कर लिया गया था और विस्तृत जांच जारी है।

उन्होंने कहा, फिलहाल परिसर में किसी बाहरी व्यक्ति के घुसने की संभावना नहीं दिख रही है। 600 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैले इस परिसर से केवल अंदर रहने वाले लोग ही परिचित हैं।

अधिकारी ने कहा कि घायल छात्रा की स्थिति स्थिर होने के बाद उसका विस्तृत बयान दर्ज किया जाएगा।

इस बीच, सोमवार रात को बड़ी संख्या में छात्रों ने परिसर में सुरक्षा में कथित चूक को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

केरल विधानसभा ने निवास पहचान पत्र संबंधी विधेयक पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में निवास पहचान पत्र संबंधी विधेयक पारित कर दिया। विपक्षी दलों के विरोध-प्रदर्शनों के बीच मौजूदा सत्र में सदन के शेष सभी विधायी और वित्तीय कार्यों को भी जल्दबाजी में निपटा लिया गया।

निवास संबंधी पहचान पत्र 'नेटिविटी कार्ड' केरल सरकार द्वारा जारी किया जाने वाला एक आधिकारिक पहचान पत्र होगा, जो प्रमाणित करेगा कि व्यक्ति केरल का मूल निवासी है।

यह पहचान पत्र उन व्यक्तियों को जारी किया जा सकेगा, जिनका जन्म राज्य में हुआ है या जिनके कम से कम एक पूर्वज केरल से संबंधित रहे हों, बशर्ते उन्होंने किसी अन्य देश की नागरिकता ग्रहण न की हो। जब विधेयक को चर्चा के लिए सदन में रखा गया और उसे पारित किया गया, उस समय कांग्रेस नीत यूडीएफ की अनुपस्थिति की मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत सत्तारूढ़ गठबंधन ने आलोचना की। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केरल में विपक्ष प्रभावी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''वे चर्चा से डरते हैं। आगामी चुनावों से पहले विधानसभा सत्र का आज आखिरी दिन है। विपक्ष से उम्मीद थी कि वह प्रशासन को परेशान करने के लिए शासन व्यवस्था से जुड़े मुद्दे उठाएगा। चूंकि उनके पास उठाने के लिए ऐसे कोई मुद्दे नहीं थे, इसलिए उन्होंने सदन की कार्यवाही का पूरी तरह बहिष्कार करने का फैसला किया।'' उन्होंने कहा कि यह विधेयक ऐसे दौर में पारित हुआ है, जब देश में समाज का एक तबका अपने अधिकारों और पहचान को लेकर आशंकित महसूस कर रहा है।

विजयन ने कहा, ''लेकिन, इस विधेयक के चलते केरल के लोगों को ऐसी किसी भी तरह की आशंका रखने की जरूरत नहीं है। उन्हें अपना निवास स्थान साबित करने का प्रमाण पत्र मिल जाएगा। इसे कोई अस्वीकार नहीं कर सकता। देश की मौजूदा स्थिति में हमारा राज्य एक सुरक्षित स्थान है।'' कार्यसूची के अनुसार जिन विधेयकों पर विषय समिति की रिपोर्ट पेश की जानी थी, उन्हें भी विचारार्थ लिया गया। कुछ विधायकों द्वारा सुझाए गए संशोधनों को स्वीकार किया गया और बिना किसी चर्चा के सदन ने उन्हें पारित कर दिया। राज्य के वित्त मंत्री के एन बालागोपाल ने निवास पहचान पत्र विधेयक के पारित होने को केरल के लिए एक ''ऐतिहासिक क्षण'' बताया, क्योंकि इस कानून का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों की रक्षा करना है।

केरल: सतीशन ने विजयन सरकार पर डेटा लीक का आरोप लगाया, आपराधिक जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कंजीरापल्ली/भाषा। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने मंगलवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर सरकारी कर्मचारियों व शिक्षकों के निजी डेटा को 'लीक' करने का आरोप लगाया तथा मामले की आपराधिक जांच की मांग की।

विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए दावा किया कि बिना सहमति के निजी जानकारी लीक करना गैरकानूनी है और अदालत के निर्देशों का उल्लंघन है। सतीशन की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब खबरें आ रही हैं कि सरकारी कर्मचारियों को मुख्यमंत्री से मोबाइल संदेश मिले हैं, जिनमें उन्हें महंगाई भत्ता (डीए) के हालिया भुगतान की याद दिलाई गई है। उन्होंने आरोप लगाया, डेटा एक बहुमूल्य संपत्ति है। लीक हुए डेटा का दुरुपयोग किया जा सकता है। इसे बेचा भी जा सकता है। क्या मुख्यमंत्री कार्यालय में बैठे लोग इस बात से अनभिज्ञ हैं कि डेटा एक बहुमूल्य संपत्ति है? डेटा लीक में माकपा नेतृत्व और मुख्यमंत्री की भूमिका है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसे डेटा का उपयोग कर किसी को भी संदेश नहीं भेजे जाने चाहिए और उन्होंने डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। सतीशन ने आरोप लगाया कि सरकारी प्रणालियों का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने माकपा पर चुनाव प्रचार के लिए सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया। सतीशन ने वित्तीय बाधाओं के बावजूद बड़े पैमाने पर खर्च का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के खजाने पर दबाव के बावजूद विज्ञापनों और चुनाव संबंधी गतिविधियों पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कल्याणकारी निधियों और सहकारी बैंकों सहित विभिन्न स्रोतों से ऋण लेकर धनराशि जुटाई जा रही है। सतीशन ने कहा कि उनकी पार्टी करदाताओं के धन का चुनावी लाभ के लिए उपयोग करने के किसी भी प्रयास को कानूनी और राजनीतिक दोनों तरह से चुनौती देगी। उन्होंने हाल ही में उच्च न्यायालय द्वारा 'नवा केरल' सर्वेक्षण को रद्द करने के फैसले का भी उल्लेख किया और कहा कि विपक्ष उच्चतम न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक को हटाने का अनुरोध करेगा।

केरल स्टोरी में केरल जैसे धर्मनिरपेक्ष राज्य को गलत तरीके से दर्शाया गया है : उच्च न्यायालय

कोच्चि/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि 'द केरल स्टोरी 2 - गोज़ बियॉन्ड' में केरल जैसे राज्य को गलत तरीके से दर्शाया गया है, जहां हर कोई सांप्रदायिक सद्भाव में रहता है। अदालत ने यह भी कहा कि राज्य के नाम का उपयोग करना और यह दावा करना कि फिल्म सच्चे तथ्यों पर आधारित है, राज्य में सांप्रदायिक तनाव पैदा कर सकता है।

न्यायमूर्ति बेचू कुरियन थॉमस ने 'द केरल स्टोरी 2- गोज़ बियॉन्ड' को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए दिए गए प्रमाण पत्र को रद्द करने के अनुरोध वाली तीन अलग-अलग याचिकाओं पर दलीलें सुनते हुए यह टिप्पणी की। दोपहर के भोजन के बाद के सत्र में जब यह मामला दोबारा सुनवाई के लिए आया तो अदालत को बताया गया कि फिल्म के निर्माता फिल्म के टीज़र को वापस लेने के इच्छुक हैं। इसके बाद अदालत ने कहा कि वह बुधवार को मामले में फिर से सुनवाई करेगी जब वह यह तय करेगी कि 27 फरवरी को इसकी निर्धारित रिलीज से पहले फिल्म देखी जाए या नहीं।

इससे पहले सुनवाई के दौरान अदालत ने संकेत दिया था कि वह आदेश पारित करने से पहले फिल्म देखने की इच्छुक है। उसने सेंसर बोर्ड से यह भी पूछा कि क्या फिल्म सभी अनिवार्य दिशानिर्देशों का अनुपालन करती है।

तीन में से एक याचिका कन्नूर जिले के कन्नवम निवासी श्रीदेव नंबूदरी ने दायर की है, जिन्होंने पिछले सप्ताह दायर रिट याचिका में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) और निर्माता विपुल अमृतलाल शाह को प्रतिवादी बनाया है। फिल्म के प्रमाणन को रद्द करने के अलावा याचिका में इसके नाम पर पुनर्विचार सहित कुछ संशोधनों का भी अनुरोध किया गया है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि फिल्म को कथित तौर पर सिनेमाटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत वैधानिक आदेश का उचित अनुपालन किए बिना सीबीएफसी द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणपत्र दिया गया।

याचिका के अनुसार, यह शिकायत फिल्म के टीज़र और ट्रेलर से उत्पन्न हुई है, जिसमें कई राज्यों की महिलाओं से जुड़ी कहानियों को दर्शाया गया है, फिर भी सामग्री को 'द केरल स्टोरी' के रूप में प्रचारित किया गया है, जिससे आतंकवाद, जबरन धर्मांतरण और जनसांख्यिकीय षड्यंत्र की कथित घटनाओं को विशेष रूप से केरल राज्य से जोड़ा गया है।

याचिका में कहा गया है, ''इस तरह के चित्रण में पूरे क्षेत्र की आबादी को कलंकित करने, सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने और सांप्रदायिक व क्षेत्रीय वैमनस्य भड़काने की क्षमता है।''

'महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट' के लिए 275.68 करोड़ रुपए की परियोजना रिपोर्ट तैयार : दिया कुमारी

जयपुर। राजस्थान सरकार ने मंगलवार को कहा कि 'महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट' योजना के क्रियान्वयन के लिए 275.68 करोड़ रुपये की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो गई है। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने विधानसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण की अध्यक्षता में गठित समीक्षा समिति द्वारा तीन फरवरी 2026 को संबंधित डीपीआर के अनुसार काम करवाये जाने का अनुमोदन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि किसी भी नए पर्यटन सर्किट एवं योजना के विकसित होने से आम जनता के लिए रोजगार के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष अवसर उपलब्ध होते हैं।

पर्यटन मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकास योजना के अंतर्गत विकसित की जाने वाली परिसम्पतियों की समुचित देखरेख एवं संचालन के संबंध में स्थानीय निकायों से परामर्श कर प्रबंधन किया जाएगा।

सवाई माधोपुर में बीडीओ एक लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने मंगलवार को पंचायत समिति के ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) को एक लाख रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, पंचायत समिति सवाई माधोपुर के बीडीओ जगदीश प्रसाद मीणा को रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया जिसके पास जिला परियोजना प्रबंधक का अतिरिक्त प्रभार भी है। ब्यूरो के बयान के अनुसार, परिवादी ने शिकायत दी थी कि बीडीओ मीणा परिवादी और उसके दो साथियों को उनकी बीपीएम की नौकरी से कार्यमुक्त नहीं करने तथा बकाया यात्रा भत्ता व अन्य बिल पास करने के एवज में तीनों से एक-एक लाख रुपये की रिश्वत मांगकर परेशान कर रहे थे। शिकायत के सत्यापन के बाद ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को जाल बिछाया और आरोपी को परिवादी से एक लाख रुपये की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। मामले की जांच जारी है।

पिछले दो साल में पुलिस हिरासत में मौत के 21 मामले : सरकार

जयपुर। राजस्थान सरकार ने मंगलवार को विधानसभा को बताया कि एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2025 के बीच राज्य में पुलिस हिरासत में मौत के 21 मामले सामने आए। विधायक शांति धारीवाल के एक सवाल के लिखित जवाब में सरकार ने कहा कि दो साल की अवधि में हिरासत में 21 मौतें दर्ज की गईं। सरकार ने इन मामलों में की गई कार्रवाई की जानकारी भी दी। ऐसे मामलों में की गई कार्रवाई संबंधी सवाल के जवाब में सरकार ने कहा कि पुलिस हिरासत में मृत्यु के सभी मामलों में सरकार द्वारा न्यायिक एवं प्रशासनिक जांच की कार्रवाई की गई है। आंकड़ों के अनुसार, 2024 में पुलिस हिरासत में आठ मौतें दर्ज की गईं जबकि साल 2025 में ऐसी 13 मौतें हुईं। सरकार ने सदन को बताया कि 2025 में हुए नौ मामलों में जांच लंबित है। सरकार ने कहा कि जिन मामलों में न्यायिक जांच पूरी हो गई उनमें पुलिस कर्मचारियों की कोई लापरवाही नहीं पाई गई। एक मामला इसका अपवाद है जिसमें विभागीय जांच की सिफारिश की गई। सरकार ने कहा कि अन्य मामलों में सभी मौतें प्राकृतिक कारणों से या आत्महत्या के कारण हुईं।

युवाओं के घर से भागकर प्रेम विवाह करने से भारतीय संस्कृति को नुकसान

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक ने युवाओं के घर से भागकर प्रेम विवाह करने का मुद्दा राज्य विधानसभा में उठाया। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय संस्कृति को भी ठेस पहुंच रही है। आहोर से भाजपा विधायक छगन सिंह राजपुरोहित ने सदन में शून्य काल के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, आज माता-पिता के लिए एक बड़ी समस्या खड़ी हो गई। युवक-युवतियां घर से भागकर शादी कर रहे हैं या 'लिव इन रिलेशनशिप' में रह रहे हैं। इससे कहीं न कहीं हमारे सामाजिक ताने बाने के साथ-साथ में भारतीय संस्कृति को भी ठेस पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि एक उम्र तक युवाओं के घर से भागकर प्रेम विवाह करने के मामले में अभिभावकों की सहमति भी जरूर हो। विधायक ने कहा कि युवाओं में इस तरह की प्रवृत्ति बढ़ रही है और अनेक युवा स्कूल या कॉलेज छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसी घटनाओं के डर से माता-पिता भी कभी-कभी बच्चों की पढ़ाई छुड़वा देते हैं।भाजपा नेता ने कहा कि पिछले वर्षों में कई मामलों में जब लड़की घर से चली गई तो माता-पिता ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने कहा, पुलिस थाने में ऐसी लड़कियां कभी-कभी अपने माता-पिता को पहचानने से इनकार कर देती हैं।

दिन का तापमान चढ़ा, कहीं-कहीं हल्की बारिश

जयपुर। राजस्थान में दिन का तापमान बढ़ने लगा है और बीते चौबीस घंटे में बाड़मेर में अधिकतम तापमान 35.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य में इस दौरान कहीं-कहीं पर हल्की बारिश भी हुई। सबसे अधिक 10.0 मिलीमीटर बारिश दौसा में हुई। मौसम केंद्र ने बताया कि मंगलवार सुबह तक बीते चौबीस घंटे में अधिकतम तापमान बाड़मेर में 35.0 डिग्री व न्यूनतम तापमान सिरोही में 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अनुसार, आगामी एक सप्ताह तक अधिकतर भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है जबकि तापमान में 2-3 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने जयपुर में किया विरोध प्रदर्शन

जयपुर। नयी दिल्ली में 'एआई समिट' के दौरान कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने सोमवार को यहां प्रदर्शन किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा विदेशी मेहमानों के समक्ष इस प्रकार का प्रदर्शन न केवल भारत की छवि को धूमिल करता है, बल्कि हमारे संस्कारों और सांस्कृतिक मर्यादाओं को भी ठेस पहुंचाता है। राठौड़ के नेतृत्व में बडी संख्या में महिलाओं ने चांद पोल बाजार में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने चांदपोल स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ के साथ भारतीय संस्कारों की रक्षा का संकल्प लिया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं के लिए टी-शर्ट लाई गई और मर्यादा एवं शालीनता बनाए रखने का संदेश देने का निर्णय किया। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नाम एक लिफाफा भेजा गया जिसमें एक टी-शर्ट संलग्न की गई। इस अवसर पर राठौड़ ने कांग्रेस पार्टी पर 'मानसिक दिवालियापन' का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी अपने मूल्यों और मर्यादाओं से भटक चुकी है।

बाड़मेर में नशीले पदार्थ बनाने के कारखाने का भंडाफोड़

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने बाड़मेर जिले में नशीले पदार्थ (एमडी ड्रग्स) बनाने के एक कारखाने का पर्दाफाश करते हुए करीब 8.50 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ, कच्चा माल और उपकरण बरामद किए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीणा के अनुसार सेड़वा थाना पुलिस ने सिंहार क्षेत्र में यह कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि आरोपी आदम खान ने अपने खेत में मुर्गी पालन का धंधा शुरू किया था ताकि किसी को शक न हो। लेकिन इस व्यवसाय की आड़ में बने छपरे के भीतर नशीले पदार्थों का निर्माण किया जा रहा था।

भारत को लैक्रोज खेल में ओलंपिक पदक के लिए खिलाड़ी अभी से करे तैयारी : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि लैक्रोज खेल को राज्य खेल में सम्मिलित किए जाने और जनजातीय विभाग के अंतर्गत इस खेल प्रोत्साहन के लिए विशेष प्रावधान के हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को प्रस्ताव बनाकर भेजे जाने और त्वरित कार्यवाही किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। राज्यपाल से मंगलवार को लोकभवन में लैक्रोज खेल के खिलाड़ियों ने मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल द्वारा अपने विवेकाधीन कोटे से लैक्रोज खेल प्रोत्साहन के अंतर्गत दिये जा रहे सहयोग के प्रति आभार जताया और इस खेल में भारत के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बारे में अवगत कराया।

राज्यपाल बागड़े ने लैक्रोज खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें ओलंपिक 2028 में भारत के लिए इस खेल में स्वर्ण पदक प्राप्त करने के लिए हौसला अफजाही की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी खेल के साथ साथ पढ़ाई को भी प्राथमिकता दें।

उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेलते समय जीत के लक्ष्य को केंद्र में रखने, चपलता के अंतर्गत निरंतर अभ्यास करने और एकाग्र होकर खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आह्वान किया। उन्होंने ओलंपिक से पहले अप्रैल में चीन में होने वाले खेलों में भी अच्छे प्रदर्शन और देश को गौरवान्वित किए जाने हेतु खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजीलाल मीणा, राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी, खेल संघ अध्यक्ष अशोक परनामी, श्रीमती प्रज्ञा केवलरमानी भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने पूर्व में खिलाड़ियों द्वारा इस खेल में राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे बेहतर प्रदर्शन, राजस्थान की टीम को राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल लाने की सराहना भी की।

खाटू श्याम मेले में 'सेल्फी प्रतियोगिता' का आयोजन, श्रेष्ठ 100 सेल्फी होगी सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में प्रमुख तीर्थ स्थल खाटू धाम में जारी फागुन मेले में पुलिस की ओर से 'खाटूश्यामजी मेला सेल्फी प्रतियोगिता' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालु पुलिस की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं व सहयोग के क्षणों को कैमरे में रिकॉर्ड कर साझा कर सकेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सीकर के पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, महिला सहायता, चिकित्सा समन्वय और भीड़ नियंत्रण के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि 'खाटूश्यामजी मेला सेल्फी प्रतियोगिता' के तहत कोई भी श्रद्धालु मेले में पुलिस की बेहतर व्यवस्था, ड्यूटी पर तैनात किसी पुलिसकर्मी द्वारा की गई मदद या पुलिस-प्रशासन के इंतजामों से मिली राहत एवं सुविधा से जुड़े कोई भी क्षण को अपनी सेल्फी के साथ सोशल मीडिया पर साझा कर सकता है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा, प्रतिभागियों को अपनी सेल्फी राजस्थान पुलिस को टैग करते हुए साझा करनी होगी। प्राप्त प्रविष्टियों में से चुनी गई 100 श्रेष्ठ सेल्फी को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। विजेताओं को खाटू श्याम बाबा की आकर्षक तस्वीर, प्रसाद तथा राजस्थान पुलिस की ओर से प्रशंसा-पत्र प्रदान किया जाएगा। जिले से बाहर के विजेताओं को डाक से पुरस्कार और प्रशंसा-पत्र भेजे जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य श्रद्धालुओं और पुलिस के बीच विश्वास, सहयोग और सकारात्मक संवाद को प्रोत्साहित करना है। नूनावत ने कहा कि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ही नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं की सेवा और सुरक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध है।

सिलिकोसिस रोगियों की रोकी गई सहायता बहाल करे सरकार : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को दौसा में सिलिकोसिस रोगियों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कई मरीजों को रोगग्रस्त होने के बावजूद भी पीड़ित नहीं माना जा रहा है। गहलोत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सिलिकोसिस मरीजों को राज्य सरकार द्वारा उपचार और वित्तीय सहायता से वंचित किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता गहलोत ने कहा कि हाल ही में उन्होंने दौसा जिला अस्पताल का दौरा किया, जहां कई सिलिकोसिस रोगियों से मुलाकात की और उनकी पीड़ा सुनकर मन व्यथित हुआ। उन्होंने कहा, रोगियों ने शिकायत की कि सिलिकोसिस से पीड़ित होने के बावजूद उन्हें आधिकारिक रूप से पीड़ित नहीं माना जा रहा है और उनके कार्ड बंद कर दिए गए हैं, जिससे उन्हें उपचार और सरकारी सहायता नहीं मिल पा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सरकार के दौरान उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि 2013 में सिलिकोसिस को गंभीर बीमारी मानते हुए एक लाख से तीन लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता शुरू की गई थी। उन्होंने बताया कि 2019 में नयी सिलिकोसिस नीति लागू की गई, जिसमें सहायता राशि बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी गई थी। गहलोत ने बताया कि इसमें पुनर्वास के लिए तीन लाख रुपये और मृत्यु की स्थिति में तीन लाख रुपये शामिल थे, साथ ही लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन और पालनहार योजना से जोड़ा गया था।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल के दौरान लगभग 35 हजार रोगियों को कुल 911 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई थी। उन्होंने वर्तमान सरकार से आग्रह किया कि इस रोग से प्रभावित श्रमिकों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए तकनीकी खामियों के नाम पर रोकी गई सहायता तुरंत बहाल की जाए।

राजस्थान विधानसभा में आंकड़ों पर रार

जूली ने पशुओं के इलाज को बताया 'फर्जीवाड़ा', सड़क के रूट पर डोटासरा और दीया कुमारी में तीखी बहस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही के दौरान मंगलवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जबरदस्त सियासी संग्राम देखने को मिला। सदन में हंगामे की शुरुआत मोबाइल वेटरनरी यूनिट से जुड़े आंकड़ों पर हुई, जिसे नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सिरे से खारिज करते हुए 'फर्जीवाड़ा' करार दिया। जूली ने गणितीय तर्क देते हुए सवाल उठाया कि जब केवल तीन मोबाइल वेटरनरी यूनिट संचालित हैं और एक वैन औसतन 6 पशुओं का उपचार कर रही है, तो 15 फरवरी तक 36,549 पशुओं के इलाज का आंकड़ा आखिर कैसे मुमकिन है? उन्होंने इस पूरे मामले को आंकड़ों की बाजीगरी बताते हुए सरकार से इसकी उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। इस मुद्दे पर जूली और संसदीय कार्यमंत्री के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे सदन का माहौल गरमा गया। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि मोबाइल यूनिट्स फरवरी 2024 से शुरू हुई थीं और शुरुआती दौर में कॉल सेंटर नहीं होने के कारण गांवों में कैंप लगाकर पशुओं का उपचार किया गया था। उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्तुत आंकड़ों में उन कैंपों में किए गए उपचार भी शामिल हैं, जबकि कॉल सेंटर की शुरुआत अक्टूबर 2024 से हुई है। इसी बीच, सड़क निर्माण के मुद्दे पर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और डिप्टी सीएम दीया कुमारी के बीच भी खींचतान दिखाई दी। डोटासरा ने सीकर जिले की मुख्य जिला सड़क (चउज) का रूट बदले जाने पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय तय किए गए मुख्य रूट को छोड़कर सड़क को ढाणियों में दाएं-बाएं घुमा दिया गया है। इस पर बीजेपी विधायक गोवर्धन वर्मा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि डोटासरा गलत तथ्य पेश कर रहे हैं। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने भी पलटवार करते हुए कहा कि यह सड़क हाल ही में एमडीआर घोषित हुई है, वे पूरी जानकारी जुटाने के बाद ही इस पर जवाब देंगी। सदन की कार्यवाही में एक रोचक मोड़ तब आया जब स्पीकर वासुदेव देवनानी ने परंपरा से हटकर डोटासरा को पूरक सवाल पूछने की अनुमति दी, जिस पर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने हैरानी जताई। गर्ग ने कहा कि सात साल में पहली बार किसी अन्य विधायक को पूरक सवाल पूछने का मौका दिया गया है, जिसे केवल एक अपवाद माना जाना चाहिए। कुल मिलाकर, प्रश्नकाल से लेकर शून्यकाल तक सदन में आंकड़ों की विश्वसनीयता और नीतिगत फैसलों को लेकर दोनों पक्षों के बीच तलवारें खिंची रहीं।

प्रधानमंत्री मोदी की अजमेर यात्रा : मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल पर किया तैयारियों का अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अजमेर पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 28 फरवरी को प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। शर्मा ने सभा स्थल कायड़ विश्राम स्थली का अवलोकन किया और उच्च अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा ने आयोजन स्थल पर आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग, यातायात, सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि यातायात सुचारू रहने के साथ पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस मौके पर राजस्थान को विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास की सौगातें देंगे। इस दौरान एचपीवी वैक्सीन की लॉन्चिंग भी की जाएगी। साथ ही, बड़ी संख्या में युवाओं को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियों को समय पर पूरा किया जाए।

इस दौरान केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

विजय-रश्मिका की शादी : मेहमानों को परोसा जाएगा जापानी खाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर । एक्टर विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी अब बस कुछ ही दिनों दूर है। ऐसे में उनके प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। दोनों 26 फरवरी को

उदयपुर में सात फेरे लेंगे और जिंदगी भर के लिए एक-दूजे का हाथ थामेंगे। जानकारी के अनुसार, शादी के जश्न को लेकर मेकर्स ने खास इंतजाम किए हैं, जिसमें मेहमानों के लिए जापानी खाना परोसा जाएगा। रश्मिका ने हाल ही में इंस्टाग्राम स्टोरी में पार्टी की झलक साझा की, जिसमें खूबसूरती से सजा हुआ टेबल और जापानी मेन्यू कार्ड साफ दिख रहा है। तस्वीर में लाइटिंग में सजा टेबल नजर आया। बीच में गुलाबी लिली और हल्के हरे हाइड्रेंजिया के फूलों की सजावट है, जिसे ताजे हरे सेब और अंगूरों के साथ सजाया गया है। यह सजावट ऑर्गेनिक और लग्जरी गार्डन लुक दे रही है। मेन्यू कार्ड पर जापानी डिशेज का जिक्र है, जो शादी से पहले के इस सेलिब्रेशन को ग्लोबल और रिफाइंड टच देता है। कपल सोमवार को उदयपुर पहुंच चुके हैं। शादी के मुख्य कार्यक्रम मेमेंटोस बाय आईटीसी होटल्स, एकाया उदयपुर में होगा।

शादी को पूरी तरह प्राइवेट और इंटिमेट रखा जा रहा है। सिर्फ करीबी परिवार और दोस्त ही शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इवेंट को गोपनीय रखने के लिए सख्त नो-फोन पॉलिसी लागू है। मेहमानों से एनडीए (नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट) भी साइन करवाए जा रहे हैं ताकि कोई फोटो या वीडियो बाहर न लीक हो।

विजय और रश्मिका की लव स्टोरी साल 2018 में शुरू हुई, जब दोनों ने 'गीता गोविंदम' में साथ काम किया। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों का खूब प्यार मिला। इसके बाद दोनों 'डियर कॉमरेड' में फिर साथ नजर आए। इसके अलावा, वे कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें राज्य में शांति और सद्भाव लाने के लिए उनकी सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी। सिंह के साथ उपमुख्यमंत्री लोसी दीखो और नेमचा किपगेन भी मौजूद थे। चार फरवरी को मणिपुर में नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर लिखा ''मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने उपमुख्यमंत्री किपगेन नेमचा और लोसी दिखो के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।'' मणिपुर सरकार द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को राज्य में शांति और सद्भाव लाने के लिए नई सरकार की ओर से उठाए गए कदमों की जानकारी दी और प्रधानमंत्री से पहाड़ी और घाटी दोनों क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया।

मणिपुर के मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री को राज्य के दौरे पर आने का निमंत्रण दिया है। इससे पहले, मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी मुलाकात की। उन्होंने 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा, '' केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज चौहान से कल उनके आवास पर मुलाकात करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मेरे साथ उपमुख्यमंत्री किपगेन नेमचा और एल. दिखो भी थे।''

भुवनेश्वर के बाजार में भीषण आग, कई दुकानें जलकर खाक

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के भुवनेश्वर में धौली इलाके में एक बाजार में भीषण आग लगने से कई दुकानें जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग सोमवार रात करीब 11 बजे लगी। मार्केट कॉम्प्लेक्स में प्लाईवुड और प्लास्टिक सहित भारी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री जमा होने के कारण आग तेजी से आसपास की दुकानों में फैल गई। फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

एक अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के लिए कुल 40 दमकल गाड़ियों को लगाया गया है लेकिन कई घंटे बीत जाने के बाद भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। अग्निशमन सेवा विभाग के महानिदेशक सुधांशु सारंगी ने कहा, हमारी टीम ने अब तक चार मंजिला मार्केट कॉम्प्लेक्स की तीन मंजिलों पर आग बुझा दी है। चौथी मंजिल पर आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा, सभी प्रयास किए जा रहे हैं और आवश्यक संसाधन जुटाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि आग में फंसे दो कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट-सर्किट के कारण लगी है।

केंद्र ने बंगाल का नाम बदलने के प्रस्ताव पर कभी विचार नहीं किया : ममता बनर्जी

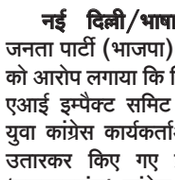

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह राज्य के आधिकारिक नाम को बदलकर 'बांग्ला' करने के लिए उनकी सरकार द्वारा बार-बार किए गए अनुरोधों पर विचार नहीं कर रही है। बनर्जी का यह आरोप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद आया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दक्षिणी राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी माकपा और भाजपा के बीच गठबंधन ने केरल को नया नाम दिलाने में मदद की। बनर्जी ने यहां एक बयान में कहा, केरल का नाम इसलिए बदला गया है, क्योंकि भाजपा और माकपा के बीच गठबंधन मजबूत हो रहा है। आज के बाद यह गठबंधन गुप्त नहीं रह गया है। बंगाल को हमेशा अभाव का सामना क्यों करना पड़ेगा? एक दिन आप (भाजपा) सत्ता में नहीं रहेंगे। हम नाम बदलवा देंगे।'' केरल को नया नाम 'केरलम' मिलने पर बनर्जी ने राज्य की जनता को बधाई दी।

झारखंड विधानसभा में 1.58 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1.58 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इसमें गरीबों, महिलाओं एवं अन्य कमजोर तबकों के कल्याण के मकसद से सामाजिक क्षेत्र के लिए 67,460 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की अगुवाई वाली सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.45 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया था। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने विधानसभा में कहा, ''मैं सदन के पटल पर वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,58,560 करोड़ रुपए का बजट रखता हूं। 'अबुआ दिशोम' (हमारा अपना) बजट झारखंडवासियों के चेहरे पर मुस्कान लाएगा और गरीबों के आंसू पोंछेगा।'' किशोर ने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग- गरीब, किसान, आदिवासी और महिलाओं की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। उन्होंने कहा, ''बजट में सामान्य क्षेत्र के लिए 32,055.83 करोड़ रुपए, सामाजिक क्षेत्र के लिए 67,459.54 करोड़ रुपए और आर्थिक क्षेत्र के लिए 59,044.63 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।'' वित्त मंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं के लिए 'महिला खुशहाली योजना' शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा, ''हमने इसके लिए 25 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। वहीं अगले वित्त वर्ष में 100 नए 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' भी खोले जाएंगे।'' वित्त मंत्री ने कहा, ''विपक्ष द्वारा बाधाएं उत्पन्न किए जाने के बावजूद हम झुकेंगे नहीं और राज्य के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ते रहेंगे।''

किशोर ने झारखंड को पर्याप्त वित्तीय सहायता न देकर केंद्र पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने दावा किया, ''राज्य को केंद्रीय करों में 5,000 करोड़ रुपए का हिस्सा नहीं मिला।.. और अनुदान सहायता के रूप में 11,000 करोड़ रुपए भी नहीं मिले।

स्कूलों व धार्मिक स्थलों के पास मांस की दुकानों से भावनाएं आहत होती हैं : उपमुख्यमंत्री सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थानों के आसपास मांस-मछली की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने का संकल्प जताया है। उन्होंने दावा किया कि ऐसी दुकानें ''भावनाएं आहत करती हैं और बच्चों में ''हिंसक प्रवृत्तियों'' को बढ़ावा देती हैं।

शहरी विकास विभाग का भी प्रभार संभाल रहे सिन्हा ने हाल ही में विभाग द्वारा जारी एक परिपत्र के संबंध में पूछे जाने पर यह बयान दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सिन्हा ने कहा, ''हम नया बिहार बना रहे हैं और यह हमारे हर कदम में झलकता है। हाल की विभागीय बैठक में मैंने नियमों के कड़ाई से पालन के निर्देश दिए हैं, जिन्हें स्वच्छता और सामाजिक सौहार्द सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है।'' सिन्हा ने कहा, हम लोगों के खान-पान की पसंद के अधिकार के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन खुले में, खासकर धार्मिक स्थलों के आसपास ऐसी (मांस) वस्तुओं की बिक्री हमारी भावनाओं की पवित्रता को प्रभावित करती है। इसी प्रकार, बच्चों में हिंसक प्रवृत्तियों को रोकने के लिए इन्हें शैक्षणिक संस्थानों से भी दूर रखा जाना चाहिए।'' विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ये नियम कई वर्षों से लागू हैं। उन्होंने कहा, ऐसे स्थानों के आसपास मांस, मछली और पोल्ट्री की दुकानें अवैध रूप से संचालित होती रही हैं।

बिहार सरकार विश्वविद्यालयों से आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम शुरू करने को कहेगी: मंत्री

पटना/भाषा। बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों से आपदा प्रबंधन से संबंधित पाठ्यक्रम शुरू करने और इसे स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में शामिल करने का अनुरोध किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि राज्य के सरकारी स्कूलों में इस प्रकार के पाठ्यक्रम पहले ही शुरू किए जा चुके हैं। उन्होंने सदन में कहा, शिक्षा विभाग द्वारा आपदा प्रबंधन से संबंधित पाठ्यक्रम शुरू करने और इसे स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में शामिल करने के प्रयास किए जाएंगे। इस संबंध में सभी विश्वविद्यालयों को पत्र भेजा जाएगा।

मंत्री ने कहा कि इन पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए विश्वविद्यालयों को अपनी वैधानिक समितियों और सीनेट से अनुमोदन प्राप्त करना होगा। विधानसभा में यह मुद्दा उठाते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के विधायक अजय कुमार ने कहा, सक्षम प्राधिकार पहले ही प्रमाणपत्र, फाउंडेशन और स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए मॉडल निर्धारित कर चुका है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में आने वाली आपदाओं की प्रकृति को देखते हुए इसे प्राथमिकता के आधार पर सभी विश्वविद्यालयों में लागू किया जाना चाहिए।

'डिजिटल अरेस्ट' के झांसे में न आएं, समझें कि यह एक धोखा है : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि 'डिजिटल अरेस्ट' एक धोखाधड़ी है और कानूनी रूप से मान्य नहीं है। उन्होंने लोगों से साइबर चोरी से सावधान रहने की अपील की।

'डिजिटल अरेस्ट' साइबर अपराध का एक ऐसा स्वरूप है, जिसमें धोखेबाज कानून प्रवर्तन या अदालत के अधिकारी या सरकारी एजेंसियों के कर्मचारी बनकर ऑडियो और वीडियो कॉल के जरिये पीड़ितों को धमकाते हैं। वे पीड़ितों को बंधक बनाकर उन पर पैसे देने का दबाव बनाते हैं। 'डिजिटल अरेस्ट' के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। राज्य विधानसभा में सपा के अबू आज़मी द्वारा उठाए गए मुद्दे पर प्रश्नकाल की बहस के दौरान फडणवीस ने कहा कि कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा कोई प्रावधान नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि पीड़ित साइबर धोखाधड़ी की शिकायत हेल्पलाइन 1930 पर महत्वपूर्ण ''गोल्डन आवर'' (धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोकने के लिए महत्वपूर्ण समय) के भीतर करते हैं, तो लगभग 90% धन की वसूली की जा सकती है। उन्होंने कहा, ''मैं नागरिकों को बताना चाहता हूं कि कानून में डिजिटल गिरफ्तारी जैसा कोई प्रावधान नहीं है। अगर आपको कोई फोन कॉल या वीडियो कॉल आता है जिसमें आपको बताया जाता है कि आप डिजिटल रूप से गिरफ्तार हैं... तो समझ लीजिए कि यह धोखाधड़ी है और 1930 (साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर) पर इसकी सूचना दें।''

मेरठ : घर में आग लगने से पांच बच्चों सहित छह लोगों की मौत, शॉर्ट सर्किट का संदेह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ (उत्तर प्रदेश)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में एक मकान में आग लगने से पांच बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (मेरठ) अविनाश पांडे ने सिविल अस्पताल में संवाददाताओं को बताया कि घटना किदवई नगर इलाके में रात करीब आठ बजे हुई। उन्होंने बताया कि इकबाल अहमद के आवास पर आग लगने की सूचना रात आठ बजकर 49 मिनट पर मिली, जिसके बाद पुलिस एवं दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया।

पांडे ने कहा, ''तीन मिनट के भीतर, डायल 112 पुलिस प्रतिक्रिया वाहन मौके पर पहुंच गया और उसके तुरंत बाद दमकल की गाड़ियां भेजी गईं।''

पुलिस के मुताबिक, घर में सिलाई का काम होता था और बड़ी मात्रा में कपड़े रखे हुए थे जिससे आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं। उन्होंने कहा कि इलाके में संकरी गलियों के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में चुनौती पेश आती है इसलिए अग्निशमन विभाग के बेड़े में शामिल की गईं नई मोटरसाइकिलों को भेजा गया। एसएसपी ने बताया कि एक स्थानीय निवासी ने भी फंसे लोगों को निकालने में मदद के लिए सीढ़ी लगाकर बचाव प्रयासों में सहायता की। उन्होंने कहा कि पड़ोसियों ने सीढ़ी लगाकर प्रथम तल पर फंसे पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दूसरे तल पर फंसे लोग धुएं और लपटों में घिर गए। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। संकरी गलियों के कारण दमकल वाहनों को पहुंचने में दिक्कत हुई।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने पांच गिद्धों को जंगल में छोड़ा, वन्यजीव संरक्षण की प्रतिबद्धता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल के पास हलाली बांध क्षेत्र में पांच लुप्तप्राय गिद्धों को उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ा और पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देने वाले वन्यजीवों के संरक्षण को लेकर प्रतिबद्धता जताई।

एक अधिकारी ने बताया कि देश में गिद्धों की सर्वाधिक संख्या मध्यप्रदेश में पाई जाती है, जिनमें प्रवासी गिद्ध भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये पक्षी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अधिकारी के अनुसार, हलाली बांध क्षेत्र में जिन पांच लुप्तप्राय गिद्धों को प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया है, उनमें चार भारतीय गिद्ध (जिप्स इंडिकस) और एक सिनेरियस गिद्ध (एजिपीयस मोनाकस) शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री यादव ने कहा, ''पारिस्थितिकी तंत्र में सहयोगी पशु-पक्षियों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मध्यप्रदेश जहां बाघ, तेंदुआ और अन्य वन्य प्राणियों की सर्वाधिक संख्या वाला राज्य है, वहीं गिद्ध संरक्षण में भी देश में प्रथम है।''

मुख्यमंत्री ने वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को गिद्ध संरक्षण के प्रयासों के लिए बधाई दी।

अधिकारी ने बताया कि बेहद सटीक परिणाम वाले ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस)-ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशन (जीएसएम) उपग्रह ट्रांसमीटरों से सुसज्जित पांच दुर्लभ प्रजाति के गिद्धों को भोपाल स्थित गिद्ध संरक्षण प्रजनन केंद्र में व्यवस्थित अनुकूलन और अवलोकन अवधि के बाद मुक्त किया गया। उन्होंने कहा कि टैगिंग की प्रक्रिया सभी संबंधित संस्थाओं एवं वन विभाग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में 'वाइल्डलाइफ एसओएस' के वन्यजीव पशु चिकित्सक की देखरेख में संपन्न हुई।

मिजोरम सरकार ने 'छद्म' नियुक्ति के मामले में 29 कर्मचारियों को बर्खास्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम सरकार ने विभिन्न विभागों में 29 कर्मचारियों को उनके कर्तव्यों के निर्वहन के लिए अवैध रूप से 'प्रतिनिधि' (प्रॉक्सी) नियुक्त करने के आरोप में बर्खास्त कर दिया है। राज्य के कार्मिक और प्रशासनिक सुधार मंत्री के. सपडांगा ने मंगलवार को विधानसभा को यह जानकारी दी।

सपडांगा ने बताया कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री लालदुहोमा के निर्देश पर की गई। मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों द्वारा अपने स्थान पर काम करने के लिए वैकल्पिक कर्मचारियों को नियुक्त करने की दशकों पुरानी प्रथा को समाप्त करने का निर्देश दिया था।

उन्होंने सदन में खुलासा किया कि सेवा शर्तों का उल्लंघन करने वाले 37 कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है।

झारखंड एयर एम्बुलेंस हादसा : मारे गए सभी सातों लोगों के शव परिजनों को सौंपे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के चतरा जिले में सिमरिया के पास हुए एयर एम्बुलेंस हादसे में मारे गए सात लोगों के शव पोस्टमॉर्टम के बाद, मंगलवार को उनके परिजनों को सौंप दिए गए। रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित बीचक्राफ्ट सी90 एयर एम्बुलेंस रांची से दिल्ली जा रही थी, तभी सोमवार शाम को यह सिमरिया के बरियातु पंचायत क्षेत्र में जंगल के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में दो पायलटों सहित विमान में सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई।

शवों का पोस्टमार्टम चतरा के सदर अस्पताल में किया गया। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''पोस्टमॉर्टम के बाद शवों को उनके परिजनों को सौंप दिए गए।'' एक अन्य अधिकारी ने बताया कि विमान ने रांची हवाई अड्डे से शाम 7.11 बजे उड़ान भरी और लगभग 7.30 बजे लापता हो गया। उन्होंने बताया कि उड़ान भरने के करीब 20 मिनट बाद विमान का वायु यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क टूट गया।

रांची हवाई अड्डे के निदेशक विनोद कुमार ने बताया कि खराब मौसम दुर्घटना का एक संभावित कारण हो सकता है। हालांकि, सटीक कारण विस्तृत जांच के बाद ही सामने आएगा। इस हादसे में मारे गए लोगों की पहचान कैप्टन विकास भगत, कैप्टन सवराजदीप सिंह, संजय कुमार, डॉ. विकास कुमार गुप्ता, सचिन कुमार मिश्रा, अर्चना देवी और धुरु कुमार के रूप में हुई है।

एक अधिकारी ने बताया कि जब शवों को उनके परिजनों को सौंपे गए तो उस समय महौल गमगीन हो गया। कई परिजन अपनी भावनाओं पर काबू नहीं पा सके और बिलख-विलख कर रोने लगे जबकि कुछ को इस घटना का विश्वास ही नहीं हो रहा था। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया और कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''रांची से दिल्ली जा रहे एयर एम्बुलेंस की हृदयविदारक घटना की सूचना जब कल रात मिली तब से जिला प्रशासन समेत राज्य सरकार इस पर जुटा रहा। इस दर्दनाक घटना में हमने जांबाज पायलट्स समेत अपने कुल 7 लोगों को खो दिया है जिससे मैं अत्यंत मर्माहत और स्तब्ध हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं मरांग बुरु से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति और धैर्य प्रदान करें।

राहुल एआई समिट में हुई अराजकता के 'मास्टरमाइंड', कानून दोषियों तक पहुंचेगा : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पिछले सप्ताह एआई इम्पैक्ट समिट में भारतीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के 'शर्ट उतारकर किए गए प्रदर्शन' के 'मास्टरमाइंड' कांग्रेस नेता राहुल गांधी थे। केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने जोर देकर कहा कि कानून का लंबा हाथ जल्द ही उस 'बदमाश' तक पहुंचेगा जिसने पर्दे के पीछे से भारत को बदनाम करने के लिए 'अराजक घटना' की साजिश रची थी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि कांग्रेस की युवा शाखा ने राहुल गांधी के इशारे पर एआई समिट में विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी इस अराजक घटना के मास्टरमाइंड हैं, बल्कि एक सुपर मास्टरमाइंड हैं। राहुल गांधी के इशारे पर भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष और अन्य लोगों द्वारा शर्ट उतारकर किया गया प्रदर्शन भारत की छवि को धूमिल करता है।''

भाजपा नेता ने कहा, ''राहुल गांधी और 'लम्पट, गुंडे और मवाली' लोगों में ज्यादा फर्क नहीं है।''

भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी शायद यह सोच रहे होंगे कि वे कानून से ऊपर हैं, लेकिन ''कानून का लंबा हाथ जल्द ही उस व्यक्ति तक पहुंचेगा जिसने देश को बदनाम करने की कोशिश की है, चाहे वह कोई भी हो''। उन्होंने कहा, ''पुलिस हिरासत में उदय सच बताएगा और घटना में शामिल लोगों के नामों का खुलासा करेगा। हम यह जानने का इंतजार करेंगे कि इस मामले में क्या संबंध स्थापित होता है। यह बात सार्वजनिक की जाएगी और पूरे देश को पता चल जाएगा।''

भारतीय युवा कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने गत शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान नाटकीय रूप से शर्ट उतारकर प्रदर्शन किया था। वे सरकार और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ नारे छपे टी-शर्ट लेकर प्रदर्शन कर रहे थे, जिसके बाद कार्यक्रम स्थल पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों द्वारा उन्हें वहां से हटा दिया गया।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में चिब समेत भारतीय युवा कांग्रेस के आठ कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है।

सुविचार

कुछ दर्द ऐसे होते हैं जिनको ना हम सह सकते हैं और ना ही किसी से कह सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रेन पर नहीं, यह प्रगति पर प्रहार है

भारत सरकार यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों में कई सुधार कर रही है। वंदे भारत एक्सप्रेस की तो दुनिया में चर्चा हो रही है। वहीं, कुछ लोगों को यह विकास यात्रा नहीं सुहा रही है। वे इस ट्रेन पर पत्थरबाजी कर यात्रियों के जीवन को संकट में डाल रहे हैं। साथ ही, राष्ट्र की संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इनमें इतना दुस्साहस कहां से आता है? अक्सर यह कहते हुए शिकायत की जाती है कि सरकार नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधा उपलब्ध नहीं कराती। जब सरकार वंदे भारत चलाकर अच्छी सुविधा देने की कोशिश करती है तो कुछ लोग उस पर पत्थरबाजी करते हैं। यह कृत्य अत्यंत निंदनीय एवं दंडनीय है। पत्थरबाजी की घटनाएं कई बार हो चुकी हैं। हाल में उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में इस ट्रेन पर पत्थर फेंका गया था। ट्रेन तेज रफ्तार से जा रही थी। अचानक पत्थर आकर लगा, जिससे ट्रेन का शीशा टूट गया। घटना के समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत भी उसी ट्रेन में सवार थे। सौभाग्य से किसी को चोट नहीं लगी। अगर पत्थर ज्यादा बलपूर्वक फेंका जाता तो किसी को भी गंभीर चोट लग सकती थी। यह हरकत यात्रियों की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है। पत्थर फेंकने वाले इसलिए भी बेखौफ होकर ऐसा काम करते हैं, क्योंकि उन्हें तुरंत पकड़े जाने का खतरा नहीं होता। ट्रेन तेज रफ्तार से आगे चली जाती है, इसलिए पत्थरबाजों के पास अपना काम कर फरार होने का पूरा मौका होता है। ये घटनाएं उसी स्थिति में रुक सकती हैं, जब पत्थरबाज पकड़े जाएं और उन्हें कठोर दंड मिले। इसके लिए ट्रेनों के दोनों तरफ कैमरे लगाए जाएं। जो व्यक्ति पत्थरबाजी करता पाया जाए, उसके खिलाफ सबूत जुटाए जाएं। स्थानीय पुलिस के साथ वीडियो साझा करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए। जब ऐसी मानसिकता रखने वालों को पता चलेगा कि वे कैमरे की नजर में हैं और जल्द ही पकड़े जा सकते हैं तो पत्थर फेंकने से पहले अपने अंजाम के बारे में सोचेंगे।

कई असामाजिक तत्व ट्रेन में बैठने के बाद बेलगाम हो जाते हैं। जब कभी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है तो युवाओं की भीड़ में ऐसे लोग भी होते हैं, जो ट्रेन में बैठकर अभद्र टिप्पणियां करते हैं। वे राह चलते लोगों, खासकर महिलाओं को गलत शब्दों से संबोधित करते हैं। वजह साफ है- उनके मन में कुंठा भरी होती है और ट्रेन में बैठे होने के कारण पकड़े जाने का डर नहीं होता है। जिस दिन ऐसे एक-दो दर्जन लोग सबूत के साथ पकड़े जाएंगे, संबंधित प्रतियोगी परीक्षा में बैठने से अयोग्य घोषित किए जाएंगे और कानून से दंड पाएंगे तो बाकी लोग अपने आप सुधर जाएंगे। कुछ लोग पटरियों के साथ बहुत खतरनाक प्रयोग करते रहते हैं। वे उन पर सिक्का, साबुन, ब्लेड और छोटे पत्थर रख देते हैं। यही नहीं, वे पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाते हैं। जब ट्रेन इन चीजों के ऊपर से गुजर जाती है तो इनका आकार बदल जाता है। वे लोग अपने वीडियो में यह भी दिखाते हैं। क्या वे नहीं जानते कि ऐसे प्रयोग सैकड़ों यात्रियों के जीवन को संकट में डाल सकते हैं? अगर कभी इन चीजों की वजह से ट्रेन पटरी से उतर गई तो कौन जिम्मेदार होगा? सामान्य बुद्धि का व्यक्ति भी जानता है कि ट्रेन में भारी वजन होता है। जो चीज उसके पहियों के नीचे आएगी, उस पर कई टन का बोझ पड़ेगा। इससे कई चीजों का आकार भी बदल जाता है। यह जानने के लिए भविष्य में और प्रयोग करने की जरूरत नहीं है। पटरियों और पहियों संबंधी प्रयोगों की जिम्मेदारी वैज्ञानिकों पर छोड़ दें। ट्रेन के पहिए कितने शक्तिशाली होते हैं, यह जानना चाहते हैं तो काफी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध है। उसका अध्ययन करें। पटरियों के साथ छेड़छाड़ न करें।

ट्वीटर टॉक

पवित्र तीर्थराज ब्रह्मा मंदिर पुष्कर में दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सृष्टिकर्ता भगवान ब्रह्मा जी की दिव्य प्रतिमा के समक्ष पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की। पुष्कर की आध्यात्मिक ऊर्जा मन को अद्भुत शांति एवं सकारात्मकता से भर देता है।

-वसुंधरा राजे

आज जयपुर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026' के अंतर्गत आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। प्रशिक्षण किसी भी संगठन की आत्मा होती है।

-भजनलाल शर्मा

विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान राजसमंद विधानसभा क्षेत्र की सदस्य द्वारा महाराणा प्रताप सर्किट एवं क्षेत्र में पर्यटन विकास से संबंधित उठाए गए प्रश्नों पर सदन में उत्तर प्रस्तुत किया। साथ ही संबंधित परियोजनाओं की वर्तमान प्रगति की जानकारी भी सदन के पटल पर रखी।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

समाज सुधार का मार्ग

एक बार एक युवक महादेव गोविंद रानाडे के पास आया। वह सामाजिक कुरीतियों से अत्यंत आक्रोशित था। उसने कहा, 'जब तक हम पुरानी परंपराओं को पूरी तरह तोड़ नहीं देंगे, तब तक प्रगति संभव नहीं।' रानाडे ने शांतिपूर्वक उसे पास बैठाया और पूछा, 'यदि एक पुराना घर जर्जर हो जाए, तो क्या तुम उसे गिराकर खुली जमीन पर बैठ जाओगे, या पहले नया आधार तैयार करोगे?

' युवक कुछ क्षण चुप रहा। रानाडे ने समझाया कि सुधार का अर्थ केवल विरोध नहीं, निर्माण भी है। उन्होंने विधवा-विवाह, स्त्री-शिक्षा और सामाजिक न्याय के लिए कार्य किया, परंतु हमेशा संवाद और कानून के माध्यम से। वे मानते थे कि समाज की जड़ें गहरी होती हैं; उन्हें झटके से नहीं, समझदारी से बदला जा सकता है। न्यायाधीश के रूप में भी उन्होंने निष्पक्षता को सर्वोपरि रखा। कई बार व्यक्तिगत विचार अलग होने पर भी उन्होंने कानून और तर्क के आधार पर निर्णय दिए। उनके लिए पद प्रतिष्ठा नहीं, उत्तरदायित्व था।

सामयिक

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

ललित गर्ग

मो. 9811051133

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति शृंखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निर्माता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो।

भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम् का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाज़ार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे।

आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने। भारत इस दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है और विश्व नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सक्षम बना रहा है।

नजरिया

यदि पात्र गंदा हो तो उसमें अमृत भी विष बन जाता है। अतः, इन आठ दिनों को अपनी आदतों को सुधारने, स्वास्थ्य के प्रति सचेत होने और अपनी आध्यात्मिक ऊर्जा को संचित करने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। जब हम इस ष्टिकोण से होलाष्टक को जिएंगे, तो 2026 की होली हमारे जीवन में न केवल रंग लेकर आएगी, बल्कि एक नई चेतना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करेगी। यह यात्रा उग्रता से शांति की ओर, विकार से शुद्धि की ओर और प्रह्लाद जैसी अडिग आस्था की ओर एक सफल प्रस्थान होगी।

होलाष्टक के आठ दिनों का आध्यात्मिक विज्ञान

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल: 9989703240

होलाष्टक का काल भारतीय संस्कृति में केवल तिथियों का समूह नहीं है, बल्कि यह समय के उस सूक्ष्म अंतराल का प्रतीक है जहाँ प्रकृति, ग्रह-नक्षत्र और मानवीय चेतना एक विशिष्ट रूपांतरण से गुजरते हैं। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी से शुरू होकर पूर्णिमा तक चलने वाले ये आठ दिन जिन्हें हम होलाष्टक कहते हैं, वर्ष 2026 में 24 फरवरी से आरंभ होकर 3 मार्च तक अपनी व्याप्ति बनाए रखेंगे। इस अवधि को सामान्यतः शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना जाता है, लेकिन यदि हम इसके आध्यात्मिक, ज्योतिषीय और वैज्ञानिक धरातल को गहराई से देखें, तो यह वर्जना वास्तव में एक गहरी तैयारी और आंतरिक शुद्धि का निमंत्रण है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, इन आठ दिनों में सौरमंडल के आठ प्रमुख ग्रहचंद्रमा, सूर्य, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि और राहुक्रमशः अपनी उग्र अवस्था में होते हैं। ग्रहों की यह उग्रता सीधे तौर पर मानव मस्तिष्क और उसकी निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है। जब ब्रह्मांडीय ऊर्जाएं इतनी अस्थिर और प्रखर हों, तो किसी भी नए जीवन-प्रसंग जैसे विवाह, गृह-प्रवेश या व्यापारिक प्रतिष्ठान की नींव रखना जोखिम भरा माना जाता है क्योंकि अस्थिर नींव पर खड़ा भवन दीर्घजीवी नहीं होता।

अष्टमी तिथि को जब होलाष्टक का आरंभ होता है, तब चंद्रमा अपनी चंचलता के चरम पर होता है। चंद्रमा मन का कारक है, और इसकी उग्रता व्यक्ति के भीतर भावनाओं का ज्वार पैदा करती है। यही कारण है कि होलाष्टक के शुरुआती दिनों में लोग अक्सर बिना किसी ठोस कारण के बेचैनी या मानसिक भारीपन महसूस करते हैं। जैसे-जैसे दिन बीतते हैं, सूर्य, मंगल और शनि जैसे क्रूर ग्रहों का प्रभाव बढ़ता जाता है, जिससे अहंकार, क्रोध और आलस्य की प्रवृत्तियां उभरने लगती हैं। पौराणिक संदर्भों में इस काल को प्रह्लाद की यातनाओं से जोड़कर देखा गया है। राक्षसराज हिरण्यकशिपु ने अपने ही पुत्र को भक्ति मार्ग से विचलित करने के लिए इन आठ दिनों में जो क्रूरतम प्रयास किए, वे मानवीय सीमाओं की परीक्षा थे। कभी प्रह्लाद को ऊँचे पर्वत से नीचे फेंका गया, कभी विषधर सर्पों के बीच छोड़ा गया और कभी मतवाले हाथियों के पैरों तले कुचलवाने का प्रयास हुआ। यह कथा हमें यह सिखाती है कि जब बाहरी परिस्थितियां अत्यंत प्रतिकूल हों और चारों ओर नकारात्मक शक्तियों का घेरा हो, तब केवल आंतरिक विश्वास और ईश्वर के प्रति अटूट समर्पण ही रक्षा कवच का कार्य करता है। प्रह्लाद की वह भक्ति आज के संदर्भ में हमारे 39;आत्म-बल39; का प्रतीक है।

वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो होलाष्टक का समय ऋतु परिवर्तन का संधिकाल है। उत्तर भारत में शीत ऋतु विदा ले रही होती है और ग्रीष्म का आगमन पदचाप सुनाने लगता है। इस संक्रमण काल में वातावरण में नमी और तापमान का संतुलन बिगड़ता है, जिससे सूक्ष्म जीवाणु और वायरस अत्यधिक सक्रिय हो जाते हैं। हमारे पूर्वजों ने इस समय को 39;अशौच39; या संयम का समय इसलिए घोषित किया ताकि लोग भीड़भाड़ वाले आयोजनों से बचें और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। होलाष्टक के दौरान होलिका रोपण की परंपरा भी इसी वैज्ञानिक बोध का हिस्सा है। गाँव के चौराहे पर लकड़ियाँ और सूखी टहनियाँ एकत्र करना केवल एक रस्म नहीं, बल्कि परिवेश की स्वच्छता का अभियान है। होलिका दहन के समय निकलने वाली अग्नि और उसमें डाली जाने वाली औषधियाँ जैसे कपूर, गूगल और लोबान वातावरण को विसंक्रमित करने का कार्य करती हैं। इस प्रकार, जो हमें धार्मिक निषेध दिखाई देता है, उसके मूल में जन-स्वास्थ्य की गहरी चिंता छिपी हुई है। आधुनिक जीवनशैली में जहाँ तनाव और 39;बर्नआउट39; एक महामारी का रूप ले चुके हैं, वहाँ होलाष्टक को एक 39;कॉस्मिक डिटॉक्स39; या 39;डिजिटल डिटॉक्स39; के रूप में अपनाया जाना चाहिए। आज के दौर में हम सूचनाओं के निरंतर बमबारी के बीच जी रहे हैं, जहाँ सोशल मीडिया और तकनीक ने हमारे एकांत को समाप्त कर दिया है। होलाष्टक के ये आठ दिन हमें ठहरने का संदेश देते हैं। चूँकि इन दिनों ग्रहों की स्थिति उग्र है, इसलिए बाहरी दुनिया में विस्तार करने के बजाय अपने भीतर सिमटना अधिक श्रेयस्कर है। यह समय आत्म-निरीक्षण का है कि पिछले एक वर्ष में हमने कितनी ईर्ष्या, कितना द्वेष और कितना अहंकार अपने भीतर पाल लिया है। जैसे होलिका दहन में सूखी लकड़ियाँ जलाई जाती हैं, वैसे ही इन आठ दिनों के संयम से हमें अपने भीतर की नकारात्मकता को भस्म करने की तैयारी करनी चाहिए। ध्यान और मौन इस काल के सबसे प्रभावी अस्त्र हैं। जब हम मौन रहते हैं, तो हमारी ऊर्जा बाहर नष्ट होने के बजाय भीतर की ओर प्रवाहित होने लगती है, जिससे हमारे तंत्रिका तंत्र को विश्राम मिलता है। ज्योतिष शास्त्र की सलाह है कि होलाष्टक के दौरान विशेष रूप से मेष, वृश्चिक और सिंह जैसी उग्र स्वभाव वाली राशियों को अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए। मंगल का प्रभाव व्यक्ति को अकारण विवादों में धकेल सकता है। यदि हम इस अवधि में महामृत्युंजय मंत्र का जाप या हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं, तो वह केवल धार्मिक क्रिया नहीं है, बल्कि ध्वनियों का एक ऐसा विज्ञान है जो हमारे मस्तिष्क की तरंगों को शांत करता है। दान की परंपरा भी इसीलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दान देने से 39;अहं39; का विसर्जन होता है। जब हम अपनी प्रिय वस्तु या धन किसी जरूरतमंद को देते हैं, तो हमारे भीतर का 39;मैं39; छोटा होता है और ब्रह्मांडीय करुणा का संचार होता है। होलाष्टक में काले तिल, वस्त्र और गुड़ का दान विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है क्योंकि ये चीजें शरीर में ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने और शनि-मंगल जैसे ग्रहों के

प्रतिकूल प्रभाव को कम करने में सहायक होती हैं। वर्ष 2026 का होलाष्टक विशेष इसलिए भी है क्योंकि यह एक ऐसे समय में आ रहा है जब दुनिया स्थिरता की तलाश में है। तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में मानवीय संवेदनाएं कहीं पीछे छूटती जा रही हैं। ऐसे में होलाष्टक की यह आठ दिवसीय साधना हमें पुनः जड़ों से जोड़ने का कार्य करेगी। 4 मार्च को जब हम रंगों की होली खेलेंगे, तो वह केवल बाहरी रंग नहीं होंगे, बल्कि वे हमारे भीतर की प्रसन्नता और शुद्धता के रंग होंगे। एक शुद्ध मन ही उत्सव का सच्चा पात्र होता है। जिस प्रकार सोना आग में तपकर कुंदन बनता है, उसी प्रकार होलाष्टक की इस आठ दिनों की मर्यादित अग्नि में तपकर मनुष्य का व्यक्तित्व निखरता है। अंततः, होलाष्टक को केवल 39;अशुभ39; मानकर डरने की आवश्यकता नहीं है। भारतीय मनीषा में कुछ भी पूर्णतः अशुभ नहीं होता; हर निषेध के पीछे एक सृजनात्मक उद्देश्य होता है। यह काल हमें सिखाता है कि उत्सव मनाने से पहले आत्म-शुद्धि अनिवार्य है। यदि पात्र गंदा हो तो उसमें अमृत भी विष बन जाता है। अतः, इन आठ दिनों को अपनी आदतों को सुधारने, स्वास्थ्य के प्रति सचेत होने और अपनी आध्यात्मिक ऊर्जा को संचित करने के अवसर के रूप में देखना चाहिए । जब हम इस दृष्टिकोण से होलाष्टक को जिएंगे, तो 2026 की होली हमारे जीवन में न केवल रंग लेकर आएगी, बल्कि एक नई चेतना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करेगी। यह यात्रा उग्रता से शांति की ओर, विकार से शुद्धि की ओर और प्रह्लाद जैसी अडिग आस्था की ओर एक सफल प्रस्थान होगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

फोटो शूट

नई दिल्ली में मंगलवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, हर्षवर्धन श्रृंगला और दार्जिलिंग यूथ डेलीगेशन के सदस्य फोटो खिंचवाते हुए।

चीन ने जापानी कंपनियों को निर्यात नियंत्रण सूची में डाला

बीजिंग/एपी। चीन ने मंगलवार को 20 जापानी कंपनियों को निर्यात नियंत्रण सूची में और 20 अन्य को निगरानी सूची में डाल दिया।

ताइवान को लेकर जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची की कुछ पुरानी टिप्पणियों को लेकर उत्पन्न विवाद के बाद यह कदम उठाया गया है। ताइवान एक स्व-शासित द्वीप है जिस पर चीन अपना दावा करता है।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय के बयान के अनुसार, चीनी निर्यातकों को 20 जापानी कंपनियों को द्वि-उपयोग (डुअल-यूज) वस्तुएं बेचने पर प्रतिबंध रहेगा, जिनका उपयोग नागरिक एवं सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

निशाने पर आई कंपनियों में मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज की कई अनुषंगी इकाइयां शामिल हैं जो जहाज निर्माण एवं विमान इंजनों तथा समुद्री मशीनरी के उत्पादन से जुड़ी हैं। साथ ही कावासाकी हैवी इंडस्ट्रीज और फुजित्सु के कुछ प्रभाग भी इसमें शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि विदेशी संगठन या व्यक्ति भी चीन में उत्पन्न द्वि-उपयोग वस्तुएं इन 20 संस्थाओं को उपलब्ध नहीं करा सकेंगे।

बयान में कहा गया, '' संबंधित सभी जारी गतिविधियां तुरंत बंद की जानी चाहिए।''

अलग एक सूची में 20 जापानी कंपनियां शामिल हैं जिनके लिए चीनी निर्यातकों को व्यक्तिगत निर्यात लाइसेंस आवेदन, जोखिम आकलन रिपोर्ट एवं लिखित आश्वासन प्रस्तुत करना होगा कि द्वि-उपयोग वस्तुओं का इस्तेमाल जापान की सेना द्वारा नहीं किया जाएगा।

दूसरी सूची में सुबारू कॉरपोरेशन, मित्सुबिशी मैटेरियल्स कॉरपोरेशन और इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस टोक्यो सहित अन्य कंपनियां शामिल हैं।

चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि इन कदम का उद्देश्य जापान के पुनः सैन्यीकरण एवं परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर अंकुश लगाना है और ये ''पूरी तरह वैध, उचित एवं कानूनी'' हैं।

मंत्रालय ने कहा, '' ये कदम केवल कुछ चुनिंदा जापानी संस्थाओं पर लक्षित हैं और संबंधित उपाय केवल द्वि-उपयोग वस्तुओं तक सीमित हैं।

अमेरिका के राजदूत फ्रांस में अधिकारियों से मुलाकात नहीं कर सकेंगे

पेरिस/एपी। फ्रांस के विदेश मंत्री ने मंगलवार को कहा कि पेरिस में तैनात शीर्ष अमेरिकी राजनयिक को समन के लिए स्पष्टीकरण देना होगा और ऐसा न करने पर उन्हें सरकारी अधिकारियों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। विदेश मंत्री के इस बयान के बाद पिछले कुछ दिनों से जारी विवाद ने एक नया मोड़ ले लिया।फ्रांसीसी अधिकारियों ने सोमवार शाम को राजदूत चार्ल्स कुशनर को मुलाकात के लिए बुलाया था। कुशनर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद और सलाहकार जेयर्ड कुशनर के पिता हैं।अमेरिकी राजदूत को ट्रंप प्रशासन की उन टिप्पणियों के संबंध में बुलाया गया था, जिन पर फ्रांस ने आपत्ति जताई थी।

फ्रांसीसी राजनयिकों ने बताया कि कुशनर बैठक में उपस्थित नहीं हुए।फ्रांस के विदेश मंत्री ज्यां-नोइल बैरो ने मंगलवार को बैठक में शामिल न होने को 'एक हैरानी भरा कदम' बताया, जो राजनयिक प्रोटोकॉल का उल्लंघन है और इससे राजदूत के रूप में कुशनर की कार्य क्षमता पर असर पड़ेगा। बैरो ने सार्वजनिक प्रसारक 'फ्रांस इन्फो' से कहा, इससे स्वाभाविक रूप से हमारे देश में उनकी अपने मिशन का काम करने की क्षमता प्रभावित होगी। उन्होंने कहा, जब वह स्पष्टीकरण दे देंगे, तब उन्हें फ्रांस में सरकार के सदस्यों से दोबारा मिलने की अनुमति मिल जाएगी। बैरो ने कहा, कुशनर खुद ही मुसीबत मोल ले रहे हैं।

कनाडा तहव्वुर राणा की नागरिकता को रद्द करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा : रिपोर्ट

टोरंटो/भाषा। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा से पहले कनाडा की सरकार 2008 के मुंबई आतंकी हमले में अहम भूमिका निभाने के आरोपी पाकिस्तान मूल के व्यवसायी तहव्वुर राणा हुसैन की नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा रही है। राणा (64) पाकिस्तान में जन्मा कनाडाई नागरिक है और 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी रहा है। हेडली अमेरिकी नागरिक है।

'ग्लोबल न्यूज' को मिले दस्तावेजों के अनुसार, आव्रजन अधिकारियों ने राणा को सूचित किया है कि वे 2001 में उसे प्राप्त उसकी कनाडाई नागरिकता छीनने पर विचार कर रहे हैं।

राणा 1997 में कनाडा आया था और बाद में अमेरिका में एक डेनिश अखबार के कर्मचारियों पर हमले की साजिश रचने के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

मुंबई में 26/11 हमले के कथित मास्टरमाइंड राणा को अप्रैल 2025 में अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। नई दिल्ली पहुंचते ही राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। मुंबई हमलों में 166 लोगों की मौत हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 'आव्रजन, शरणार्थी और नागरिकता कनाडा (आईआरसीसी)' ने अपने निर्णय में कहा कि राणा की नागरिकता आतंकवाद के आरोप में नहीं, बल्कि आवेदन पत्र में झूठी जानकारी देने के कारण रद्द की जा रही है। राणा ने 2000 में नागरिकता के लिए आवेदन करते समय दावा किया था कि वह पिछले चार वर्षों से ओटावा और टोरंटो में रह रहा था और केवल छह दिन ही देश से बाहर रहा।

हालांकि, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) की जांच में पाया गया कि वह लगभग पूरा समय शिकागो में रहा, जहां उसके कई व्यवसाय और संपत्तियां थीं। नागरिकता रद्द करने के निर्णय में उस पर ''गंभीर और जानबूझकर धोखाधड़ी'' का आरोप लगाया गया है।

खबर के अनुसार, सरकार ने कहा कि मामला फेडरल कोर्ट को भेजा गया है, जो अंतिम फैसला करेगा। राणा के वकील ने इस निर्णय को चुनौती दी है।

आव्रजन विभाग की प्रवक्ता रोजी सैबेटर ने 'ग्लोबल न्यूज' को बताया कि गलत जानकारी देकर प्राप्त की गई नागरिकता को रद्द करना ''कनाडाई नागरिकता की शुचिता बनाए रखने का एक महत्वपूर्ण साधन है।'' उन्होंने कहा कि प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए ऐसे मामलों में अंतिम निर्णय संघीय अदालत ही करती है। उन्होंने कहा, ''सरकार नागरिकता रद्द करने के कदम को हल्के में नहीं लेती है।''

बाफ्टा ने जॉन डेविडसन की नस्लीय टिप्पणी पर 'सिनर्स' के कलाकारों से माफी मांगी

लंदन/भाषा। ब्रिटिश एकेडमी फिल्म अवार्ड्स (बाफ्टा) ने पुरस्कार समारोह के दौरान 'टॉरेट सिंड्रोम' कार्यकर्ता जॉन डेविडसन द्वारा की गई नस्लीय टिप्पणी पर माफी मांगी है। यह घटना तब हुई जब 'सिनर्स' फिल्म के कलाकार माइकल बी. जॉर्डन और डेलरॉय लिंडो पुरस्कार प्रदान कर रहे थे।

डेविडसन की बीमारी के कारण उनके मुंह से अचानक निकले ये शब्द प्रसारण के दौरान सुने गए। यह नस्लीय टिप्पणी उस समय की गई जब जॉर्डन और लिंडो फिल्म 'अवतार: फायर एंड ऐश' को 'बेस्ट विजुअल इफेक्ट्स' का पुरस्कार दे रहे थे।

बाफ्टा ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी एक बयान में कहा, बीती रात बाफ्टा फिल्म पुरस्कार समारोह में हमारे मेहमानों ने अत्यंत अपमानजनक भाषा सुनी, जो कई लोगों के लिए अत्यंत आघात और पीड़ा का कारण बनी।बयान में कहा गया, हमारे मेहमानों में शामिल जॉन डेविडसन (एमबीई) को 'टॉरेट सिंड्रोम' है और उन्होंने अपना जीवन इस स्थिति के बारे में बेहतर समझ विकसित करने के लिए शिक्षा और अभियान चलाने में समर्पित कर दिया है।

कॉमेडी और इमोशन के दो छोर पर खड़ीं संदीपा धर

नई दिल्ली/एजेन्सी

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की दुनिया में एक कलाकार की पहचान उसके प्रोजेक्ट्स के सेलेक्शन से बनती है। ऐसे में अगर कलाकार अलग-अलग जॉनर में खुद को आजमाने का रिस्क उठाए, तो उसका सफर और भी दिलचस्प हो जाता है। इन दिनों एक्ट्रेस संदीपा धर अपने दो बिल्कुल अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। एक ओर वह आने वाले शो 'चुंबक' में हल्की-फुल्की फैमिली कॉमेडी का हिस्सा हैं, तो दूसरी ओर फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में उनका किरदार नैना दर्शकों को इमोशनल कर रहा है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कैसे इन दोनों प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक कलाकार के रूप में चुनौतियां दीं। आईएएनएस से बात करते हुए संदीपा 'चुंबक' को लेकर बेहद उत्साहित नजर आईं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में बताया कि यह एक ऐसी फैमिली कॉमेडी है, जिसे हर उम्र का दर्शक साथ बैठकर देख सकता है। उन्होंने कहा, ''आज के दौर में कंटेंट अक्सर बोल्ड देखने को मिलता है, लेकिन 'चुंबक' रिश्तों की गर्माहट को महसूस करने की कोशिश करता है। इसमें किसी तरह की भद्दी कॉमेडी या असहज करने वाले जोक्स नहीं हैं। कहानी पड़ोसियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां लोग एक-दूसरे के घर बेझिझक आते-जाते हैं, साथ खाना खाते हैं, जिससे रिश्ते अपनेपन वाले बनते थे।''

संदीपा मानती हैं कि आज के समय में यह पड़ोस कल्चर लगभग खत्म हो चुका है और 'चुंबक' उसी खोए हुए अपनापन को वापस लाने की कोशिश है। संदीपा के लिए कॉमेडी का अनुभव नया है। इस पर उन्होंने कहा, ''कॉमेडी जितनी सहज दिखती है, उतनी

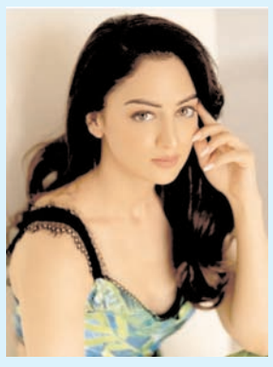

होती नहीं है। टाइमिंग, रिएक्शन और सिचुएशनल ह्यूमर को पकड़ना आसान नहीं होता। इसमें रिद्म और सटीकता बेहद जरूरी है। लेकिन अनुभवी कलाकारों के साथ काम करने से काफी कुछ सीखने को मिल रहा है। सेट पर हल्के-फुल्के माहौल और टीम के सपोर्ट ने इस जॉनर को समझने में मेरी काफी मदद की है। नीना गुप्ता, सुमित राघवन, सुमित व्यास और देवेन भोजानी जैसे कलाकारों के साथ शूटिंग करना किसी एक्टिंग स्कूल से कम नहीं है। सेट पर कोई सीनियर-जूनियर नहीं है, सब दोस्त जैसे हैं और माहौल पूरी तरह फैमिलियर हो चुका है। अब जैसे-जैसे शूटिंग खत्म होने को है, तो सभी के मन में एक अजीब-सी उदासी महसूस हो रही है।''

संदीपा के लिए इसके बिल्कुल उलट 'दो दीवाने सहर में' का अनुभव भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा। हाल ही में रिलीज हुई इस फिल्म में उन्होंने नैना नाम की लड़की का किरदार निभाया। फिल्म में उनकी स्क्रीन टाइमिंग कम थी, लेकिन बावजूद इसके उन्होंने कहानी में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी।

संदीपा ने कहा, ''इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। फिल्म में मेरे सीन कम थे और मेरा नैना का किरदार बेहद गहराई वाला था। सीमित सीन्स में किसी किरदार की पूरी मानसिक स्थिति दिखाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है।

नैना बाहर से एकदम परफेक्ट दिखती है, लेकिन अंदर से वह अकेली, उलझी और टूटी हुई है। इस दोहरेपन को पर्दे पर उतारना मेरे लिए किसी परीक्षा की तरह था।'' उन्होंने आगे कहा, ''फिल्म में ब्रेकडाउन सीन मेरे लिए सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा, क्योंकि इसमें सिर्फ मैं ही थी और पूरा भावनात्मक बोझ मुझ पर ही था। मैं ग्लिसरीन का इस्तेमाल नहीं करती, इसलिए हर टेक में असली इमोशन्स लाना शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला था। गर्मी में मुंबई की पीक समर के दौरान शूटिंग करना भी मुश्किलें बढ़ाता है, लेकिन जब पूरी टीम का साथ मिलता है, तो मुश्किलें भी यादगार बन जाती हैं।''

लांच

एक्टर मोना सिंह और राधिका मदान सोमवार को मुंबई में आने वाली अमेजोन प्राइम ओरिजिनल फिल्म 'सूबेदार' के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुईं।

भव्य सेट और महिलाओं का दबदबा, क्यों संजय लीला की फिल्मों में दिखते हैं ये दो खास फैक्टर्स

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के मशहूर फिल्मकार संजय लीला भंसाली की 'हम दिल दे चुके सनम', 'देवदास', 'बाजीराव मस्तानी' और 'हीरामंडी' जैसी फिल्मों की चर्चा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से लेकर किरदारों के संवादों पर हुई। 24 फरवरी को जन्मे संजय लीला भंसाली की फिल्में बड़े पैमाने पर क्लासिक और पीरियड ड्रामा की कहानियों को पर्दे पर दिखाती हैं, वहीं फिल्म के भव्य सेट भी दर्शकों को इतिहास के सुनहरे पलों में वापस ले जाने में भी सक्षम होते हैं। निर्माता की फिल्म का हर सेट अद्भुत होता है, जिसमें कला, इतिहास और संस्कृति तीनों का मेल देखने को मिलता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि क्यों हमेशा भंसाली की फिल्मों के सेट बॉलीवुड की एक फिल्म के बजट के बराबर होते हैं? 'देवदास' बनाने वाले भंसाली ने सेट पर करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा दिए थे। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो चंद्रमुखी का कोठा और पारो का महल बनाने में 15 करोड़ रुपए का खर्चा हुआ था। इतना ही नहीं, फिल्मों के लिए सिर्फ ऐश्वर्या राय के लिए भंसाली ने 600 साड़ियां डिजाइन करवाई थीं। गौर करने वाली बात यह भी है कि भंसाली की फिल्मों में हमेशा फीमेल लीड को सशक्त दिखाया है, चाहे वे चंद्रमुखी, पारो, लीला या फिर हीरामंडी की सोनाक्षी सिन्हा ही क्यों न हों। इसके पीछे भी बहुत बड़ी वजह है।

निर्माता-निर्देशक ने हमेशा अपनी मां को संघर्ष भरी जिंदगी जीते हुए देखा। अपने दोनों बच्चों को पालने के लिए लीला भंसाली कपड़े सिलती थी, साड़ियों पर फॉल लगाती थी और जरूरत पड़ने पर छोटे मंच पर डांस भी करती थी, लेकिन चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती थी। यह मुस्कान भंसाली की हिम्मत बनी और उन्होंने ठान लिया कि उनकी हर फिल्म में अभिनेत्री बड़े और भव्य मंच पर डांस करेगी और महिलाओं के लिए उनकी फिल्मों और किरदारों में हमेशा वही हिम्मत और मजबूती झलकेगी, जो उन्होंने अपनी मां में देखी थी।एक इंटरव्यू में फिल्म देवदास का जिक्र करते हुए भंसाली ने कहा था कि फिल्म में उन्होंने ऐश्वर्या और माधुरी की मां दुर्गा के रूप में कल्पना की थी और मेरे लिए महिलाओं से बड़ी कोई शक्ति नहीं है।

शायद यही वजह रही कि भंसाली की लगभग सभी फिल्मों में मर्दों को भावनात्मक रूप से टूटा हुआ दिखाया गया है, लेकिन महिलाओं को सशक्त और शक्ति का रूप दिखाया गया है। बात चाहे पद्मावती की हो या रामलीला की, दोनों की फिल्मों में फीमेल किरदार का दबदबा ज्यादा रहा है। वहीं भंसाली राज कपूर के बहुत बड़े फैन हैं। वे जब भी फिल्में बनाते हैं तो राज कपूर को हमेशा अपने दिमाग में रखते हैं। उनसे प्रभावित होकर ही भंसाली ने फिल्मों का निर्देशन करने का फैसला लिया था।

तांत्रिक लुक में अक्षय कुमार, 'भूत बंगला' ने बढ़ाया हॉरर-कॉमेडी का रोमांच

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'भूत बंगला' की घोषणा के बाद से ही यह प्रोजेक्ट लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इस हॉरर-कॉमेडी के जरिए अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की हिट जोड़ी करीब 16 साल बाद बड़े पर्दे पर साथ लौट रही है। इससे पहले दोनों ने 'हेरा फेरी' और 'भागम भाग' जैसी फिल्मों में साथ काम किया था, जिन्हें आज भी पसंद किया जाता है। ऐसे में 'भूत बंगला' को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। फिल्म की रिलीज डेट पहले ही घोषित की जा चुकी है, लेकिन अब अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नया मोशन पोस्टर साझा किया है। इस मोशन पोस्टर में अक्षय कुमार का अंदाज बिल्कुल अलग और डरावना नजर आ रहा है। पोस्टर में वह एक खौफनाक सिंहासन पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। इस सिंहासन को खास तौर पर डरावना बनाने के लिए उस पर भूतों के सिर जैसी आकृतियां बनाई गई हैं। इस पर बैठे अक्षय ने आंखों पर काला चश्मा लगाया हुआ है और गले के साथ-साथ हाथों में कई रुद्राक्ष और अन्य मालाएं पहनी हुई हैं। एक हाथ में वह माला जपते दिखाई देते हैं, जिससे उनका लुक किसी तांत्रिक जैसा लगता है। उन्होंने धोती पहनी हुई है।बैकग्राउंड में

हल्का अंधेरा और धुंधला माहौल है, जो इस सस्पेंस को बनाए रख रहा है।इस पोस्टर को साझा करते हुए अक्षय कुमार ने एक मजेदार कैप्शन भी लिखा, जिसने फैंस की जिज्ञासा को बढ़ा दिया है। कैप्शन में लिखा गया है, दस को देंगे दस्तक, इंतजार करो तब तक। मस्ती शुरू होने दो।'भूत बंगला' फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।मोशन पोस्टर के सामने आते ही फैंस ने कमेंट सेक्शन में उत्साह जताना शुरू कर दिया। फैंस ने अक्षय और प्रियदर्शन की वापसी को लेकर खुशी जाहिर की।एक फैन ने कमेंट में लिखा, ''यानी अब मुझे 'भूल भुलैया' जैसी कॉमेडी फिल्म फिर से देखने को मिलेगी।''वहीं, दूसरे फैन ने लिखा, ''मैं रिलीज डेट को लेकर काउंटडाउन शुरू कर रहा हूं।'' अन्य फैंस ने अक्षय के इस नए लुक को 'खतरनाक' और 'एकदम अलग' बताया।

रूस की परंपराओं से रुबरू कराएंगी शक्ति मोहन

मुंबई/एजेन्सी

आज के दौर में, जब ग्लोबलाइजेशन के नाम पर लोककलाएं और पारंपरिक नृत्य धीरे-धीरे हाशिए पर जाते दिख रहे हैं, ऐसे समय में कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जो इन्हें दुनिया के सामने नए अंदाज में पेश कर रहे हैं। इसी सोच और जुनून के साथ भारतीय डांस जगत की जानी-मानी कलाकार शक्ति मोहन अपने खास यूट्यूब प्रोजेक्ट 'डांस अक्रॉस द वर्ल्ड' के जरिए एक वैश्विक सांस्कृतिक सफर पर निकली हैं।

उनका यह सफर सिर्फ देशों की सीमाएं पार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अलग-अलग सभ्यताओं को समझने और उन्हें आज की युवा पीढ़ी से जोड़ने की कोशिश भी है। हाल ही में शक्ति मोहन ने 'डांस अक्रॉस द वर्ल्ड' का नया एपिसोड लॉन्च किया, जिसमें वह रूस की समृद्ध और शक्तिशाली लोकनृत्य परंपराओं को एक्सप्लोर करती नजर आईं। इस खास एपिसोड की लॉन्चिंग में उनके करीबी दोस्त, परिवार और इंडस्ट्री से जुड़े कई लोग मौजूद रहे, जिन्होंने उनके इस विजन की खुलकर तारीफ की।'डांस अक्रॉस द वर्ल्ड' को शक्ति मोहन ने ड्रीम प्रोजेक्ट बताया और कहा, मैं इसके जरिए हजारों साल पुरानी लोकनृत्य शैलियों को आज की पीढ़ी तक पहुंचाना चाहती हूं। इस शो का पहला सीजन कई देशों की यात्रा पर आधारित रहा, जहां मैंने अलग-अलग संस्कृतियों के पारंपरिक नृत्यों को न सिर्फ सीखा, बल्कि उन्हें दर्शकों के सामने पेश भी किया।''

शक्ति मोहन ने कहा, दुनिया में कई ऐसी नृत्य परंपराएं हैं, जो बेहद सुंदर होने के बावजूद धीरे-धीरे गुमनाम होती जा रही हैं। इन कला रूपों को बचाने के लिए जरूरी है कि उन्हें आज के युवाओं के सामने इस तरह पेश किया जाए, जिससे वे उनसे जुड़ाव महसूस करें। मेरे लिए यह शो दिल के बेहद करीब है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे अपने दो सबसे बड़े प्यार, यानी ट्रैवल और डांस, को एक साथ जीने का मौका मिल रहा है।रूस के लोकनृत्य को शक्ति मोहन ने अपने करियर के सबसे अलग और चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक बताया। उन्होंने कहा, रूसी डांस अपनी तकनीक, गति और भाव-भंगिमा के मामले में बेहद अनोखा है। एक भारतीय डांसर के तौर पर मुझे यह बेहद खास लगा। मुझे भरतनाट्यम जैसी शास्त्रीय नृत्य शैली पसंद है, जिसमें पैरों की जटिल थाप और सटीक मुद्राओं का अहम रोल होता है, जबकि रूसी डांस की भाषा बिल्कुल अलग है। इसी वजह से इसे कम समय में सीखना और मंच पर उतारना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने कहा, ''रूस में मुझे लोगों का अपनापन सबसे ज्यादा यादगार रहा। वहां की एक रूसी कोरियोग्राफर मेरी मेहनत और समर्पण से इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने मुझे पारंपरिक हेडगियर गिफ्ट किया। यह तोहफा मेरे लिए दो संस्कृतियों के बीच बने सम्मान और जुड़ाव का प्रतीक है। भले ही भारतीय और रूसी डांस की शैलियां अलग हों, लेकिन उनमें खूबसूरत फ्यूजन की संभावनाएं मौजूद हैं।''

बाबा श्याम का माधावरम में 28 को होगा विशाल जागरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय श्याम सेवा परिवार ट्रस्ट द्वारा 28 फरवरी को माधावरम में आयोजित होने वाले बाबा श्याम के विशाल जागरण की तैयारियों के संदर्भ में सोमवार को तैयारी बैठक का आयोजन किया जिसमें 150 कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रवीण शर्मा ने की।

विनोद कुमार ने सभी नए सदस्यों का परिचय करवाया। जगदीशप्रसाद ने जागरण की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी।

ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने सभी कार्यकर्ताओं को जागरण के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रेरित करते हुए पूरे उत्साह के साथ कार्य करने का आह्वान किया। जागरण की व्यवस्थाओं में सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र की 15 से अधिक संस्थाओं ने सहयोग देने का आश्वासन दिया है। विष्णु शर्मा ने कहा कि इस आयोजन में चेन्नई के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्याम प्रेमियों के शामिल होने की संभावना है। इस वर्ष जागरण में कोलकाता एवं बीकानेर से भजन गायक भजनों की प्रस्तुति देंगे। दिल्ली के कलाकारों द्वारा बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा।

देशराज एवं सुरेन्द्र शर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया।

'कासाग्रैंड' ने मुंबई में 'डेवलपमेंट कार्यालय' शुरू किया

चेन्नई के रेजिडेंशियल सेक्टर में अग्रणी है 'कासाग्रैंड बिल्डर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। देश के अग्रणी बिल्डर में से एक 'कासाग्रैंड प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड' ने मंगलवार को मुंबई में अपने डेवलपमेंट कार्यालय का उद्घाटन किया, जिससे पश्चिमी भारत में उसकी मौजूदगी और बढ़ गई है। कासाग्रैंड दक्षिण भारत का एक जाना-माना रेजिडेंशियल ब्रांड है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2017-25 के दौरान चेन्नई के रेजिडेंशियल सेक्टर में यह सबसे बड़ा डेवलपर रहा है। कार्यालय का उद्घाटन मशहूर भारतीय राजनेता शाइना एनसी ने किया। इस दौरान कासाग्रैंड प्रीमियर बिल्डर लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अरुण एमएन और वरिष्ठ प्रबंधक टीम मौजूद थी। लोअर परेल के पेनिनसुला बिजनेस पार्क में शुरू हुए इस कार्यालय का उद्घाटन हुआ। वर्ष 2003 में शुरू हुई कासाग्रैंड कंपनी तय समय सीमा के भीतर बेहतरीन प्रोडक्ट देने पर फोकस करती है। कंपनी कासाग्रैंड ब्रांड के तहत लग्जरी, मिड-रेंज और किफायती कैटेगरी में अपार्टमेंट और इंडिपेंडेंट विला ऑफर करती है। रियल एस्टेट सेक्टर में 22 साल के अनुभव के साथ, कासाग्रैंड के पास चेन्नई, बेंगलुरु, कोयंबटूर, हैदराबाद, पुणे जैसे पांच प्रमुख भारतीय शहरों और दुबई में 180 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स और 8.8 करोड़ स्क्वायर फीट से ज्यादा के डेवलपमेंट का मजबूत पोर्टफोलियो है। इस मौके पर 'कासाग्रैंड' के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अरुण एमएन ने कहा, मुंबई में हमारे नए डेवलपमेंट ऑफिस का उद्घाटन हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हमें विश्वास है कि इस विस्तार से पार्टनर्स, कंसल्टेंट्स और स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर काम करने की हमारी क्षमता बढ़ेगी, साथ ही इस क्षेत्र में हमारे कामकाज में भी तेजी आएगी।

जयगोपाल गरोड़िया विद्यालय में उल्लास से हुआ 'केजी दीक्षांत' समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय जयगोपाल गरोडिया विवेकानंद विद्यालया में बालवाड़ी(केजी) दीक्षांत समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया। डीडीजीडीवी कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर एवं भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. डी. उथरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। प्रधानाचार्य एम. उमा ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना गीत से हुई। केजी कक्षा के नन्हे-मुन्ने स्नातकों ने उत्साह से भाग लिया और अपनी शैक्षणिक यात्रा के अगले चरण में प्रवेश किया। किंडरगार्टन के नन्हे सितारों ने अपने प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हुईं। प्री-केजी कक्षा के बच्चों के अभिभावकों और बच्चों द्वारा प्रस्तुत विशेष नृत्य प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ उथरा ने अभिभावकों को अनुभवात्मक शिक्षा और धैर्य के बारे में संबोधित किया और हमारे केजी के बच्चों को उपाधियाँ प्रदान कीं। यह दीक्षांत समारोह उनकी प्रारंभिक शिक्षा यात्रा के सफल समापन का प्रमाण था।

मरीना स्पोर्ट्स क्लब के सदस्यों ने बेसराहा गाय को छुड़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मरीना स्पोर्ट्स क्लब के सदस्यों द्वारा कत्लखाने जा रही बेसराहा गाय को उचित मूल्य अदा कर उसे छुड़ाकर सुरक्षित रूप से गौशाला भिजवाया। इस दौरान गौमाता को रोटी एवं गुड़ खिलाकर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात वाहन के माध्यम से उसे गौशाला पहुंचाया गया। क्लब के राजेश सुराणा, पूर्व अध्यक्ष विमल तातेड़, वर्तमान अध्यक्ष भवरलाल चौधरी तथा पारसमल रांका सहित अनेक सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

करावी निगम के क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित हुआ प्लेटिनम जयंती समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्मचारी राज्य बीमा (कराबी) निगम के बीमा सेवा में 75वें वर्ष में प्रवेश हो जाने पर देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ 'निगम पखवाड़ा' मनाया जा रहा है। क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित इस पखवाड़े के दौरान श्रमिकों के बिलों का त्वरित भुगतान, स्वच्छता, चिकित्सा कैंपस, सुविधा समागम आदि अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए। संयुक्त निदेशक अरसदा किशोर ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत करते हुए निगम की कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में निगम के 50 श्रमिक लाभार्थियों, पैंशन भोगियों, दिव्यांगों व बीमाकृतों के आश्रितों को बुलाकर उन्हें सम्मानित किया गया। अनेक श्रमिकों ने निगम की उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं हेतु आभार व्यक्त किया। इस मौके पर श्रमिकों के साथ-साथ उद्योग जगत से जुड़े हुए विभिन्न संघों को भी आमंत्रित किया गया। साथ ही में श्रम व रोजगार मंत्रालय के अन्य कार्यालयों से भी अधिकारी उपस्थित थे। ङ्कङ्ककार्यक्रम में राज्य सरकार की सहभागिता के रूप में कराबी के चिकित्सा आयुक्त डॉ दिनेश कुमार वाईके उपस्थित थे। उन्होंने श्रमिकों के हित में राज्य सरकार की तरफ से भविष्य में भी पूरा सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय निदेशक मनोज कुमार ने की। उन्होंने कहा कि नई श्रम संहिता और श्रम कोड लागू हो जाने से निगम में हितलाभार्थियों के लिए अनेक नित नई योजनाएँ जुड़ रही हैं। नई चिकित्सकीय आधारभूत संरचनाएं जोड़ी जा रही हैं ताकि श्रमिक वर्ग को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान की जा सकें। आज देश में करीब 15 करोड़ लोग इस योजना का लाभ प्राप्त कर रहें हैं। कार्यक्रम में राजाजीनगर चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ जितेंद्र कुमार, संयुक्त निदेशक अरसदा किशोर,सुनील कुमार महतो, मनीष गुप्ता, राज्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सलमा जबी व अन्य अधिकारी उपस्थित थे। अभिषेक कुमार सिंह ने सभी को धन्यवाद दिया।

तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी की काव्य गोष्ठी आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा आज बुधवार को 'होली के रंग-हास्य व्यंग्य के संग' संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस काव्य संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय, गिल नगर के प्राचार्य डॉ वी कल्याणरामन होंगे और विशिष्ट अतिथि एमएसईएम के अध्यक्ष दीपककुमार होंगे। संगोष्ठी का संयोजन अकादमी के कोषाध्यक्ष प्रणव तिवारी द्वारा अन्नानूर स्थित ऑर्किड स्प्रिंग्स में किया जा रहा है। अकादमी के महासचिव ईश्वर करुण ने बताया कि संगोष्ठी में चर्चित कवियों द्वारा हास्य और व्यंग्य की कविताओं का पाठ होगा, जिसमें मुख्य रूप से नैनपुर,मध्यप्रदेश के पुनीत कुमार,कावेरीपट्टनम के मीट्ठू मिठास, चेन्नै की कुमुद वार्ष्णेय, आर. पार्वती, ईश्वर करुण, प्रणव तिवारी, आलोक जायसवाल, देवानंद झा सहित स्थानीय कवियों का भी काव्य पाठ होगा।

दक्षिण भारत में 'जैन धर्म' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 27 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय सीपी रामास्वामी अय्यर प्राच्यविद्या शोध संस्थान, चेन्नई एवं भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दक्षिण भारत में जैन धर्म: इतिहास, कला और संस्कृति' विषय पर 27-28 फरवरी को राष्ट्रीय संगोष्ठी होगी। सीपी रामास्वामी अय्यर फाउंडेशन, अलवारपेट में इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन लाइफसेल इंटरनेशनल के चेयरमैन अभयकुमार श्रीश्रीमाल जैन करेंगे।

संस्थान निदेशक डॉ. नंदिता कृष्णा के अनुसार संगोष्ठी में शसुन जैन महिला महाविद्यालय द्वारा निर्मित तमिलनाडु में जैन धर्म पर आधारित हिंदी लघुफिल्म 'अनमोल विरासत' भी दिखाई जाएगी। इस लघुफिल्म के निर्माण में साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने महाविद्यालय के जैनविद्या विभाग के शोध-प्रमुख के रूप में अपनी कारगर भूमिका का निर्वहन किया था। संगोष्ठी में तमिलनाडु अल्पसंख्यक आयोग में सदस्य पी. राजेन्द्र प्रसाद जैन और अनेक विद्वान भाग लेंगे, जो दक्षिण भारत के सभी राज्यों में जैन धर्म की समृद्धि पर शोध-निबंध प्रस्तुत करेंगे।

पलक्कड़ आईआईटी परिसर में छात्रा पर हमला

पलक्कड़ (केरल)/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पलक्कड़ के परिसर में एक अज्ञात व्यक्ति के कथित हमले में अंतिम वर्ष की एक छात्रा घायल हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के सलेम की रहने वाली छात्रा का कोयंबटूर के एक अस्पताल में उपचार चल रहा है। छात्रा के साथ यह घटना सोमवार रात को घटी। कसबा पुलिस के अनुसार, छात्रा परिसर में पैदल जा रही थी, तभी पीछे से उस पर हमला किया गया, जिससे उसके माथे पर चोट आई।

टीम स्पार्टन बनी जीतो क्रिकेट कप चैंपियन व टीम वाइपर्स बनी उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) मैसूर द्वारा जीतो क्रिकेट कप-2026 का रविवार को आयोजन हुआ। जीतो मैसूरु चैप्टर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल ने सभी का स्वागत किया। मुख्य सचिव गौतम सालेचा ने प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्लेइंग क्रिकेट अकादमी के एमएस रवींद्र ने सभी खिलाड़ियों को ईमानदारी की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी को प्रतिस्पर्धा के दौरान हार-जीत से ऊपर उठकर ईमानदारी, सम्मान और अनुशासन बनाए रखना चाहिए।

खेल का मूलमंत्र सिखाता है कि प्रतिद्वंद्वी के प्रति कटुता न रखें, नियमों का पालन करें और जीत को विनम्रता व हार को गरिमा के साथ स्वीकार करें। विरोधी खिलाड़ियों, अंपायरों और दर्शकों का सम्मान करना चाहिए। खेल के नियमों का ईमानदारी से पालन करना और गलत तरीकों से बचने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की जरूरत है, चाहे भले ही स्थिति तनावपूर्ण क्यों न हो, जीतने पर घमंड न करना और हारने पर बहाने न बनाना, यह दृष्टिकोण न केवल खेल में, बल्कि जीवन में भी भाईचारा, सहयोग और टीमवर्क जैसे मूल्य विकसित करना सिखाता है।ङ्कइस प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच स्पार्टन टीम तथा वाइपर्स टीम के बीच खेला गया। स्पार्टन टीम ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। वाइपर्स टीम ने 8 ओवर में 70 रन बनाए।

जबाव में स्पार्टन टीम ने 7 ओवर 3 बॉल में 71 रन बनाकर जीत हासिल की। श्रृंखला के श्रेष्ठ खिलाड़ी व श्रेष्ठ गेंदबाज पीयूष जैन बने। फाइनल मैच के श्रेष्ठ खिलाड़ी वैभव जैन व श्रेष्ठ बल्लेबाज भावेश बोहरा बने। इस अवसर पर जीतो के उपाध्यक्ष भेरूलाल पितलिया, पूर्व चेयरमैन कांतिलाल चौहान, कोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, प्रकाश दक, एपेक्स संयोजक पुनीत श्रीमाल लेडीज विंग की मुख्य सचिव रजनी डागलिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। खेल संयोजक गौरव जैन ने संचालन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.